जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

सूर्योपासना और लोक आस्था के महापर्व छठ की हार्दिक शुभकामनाएं

वर्ष : 27 | अंक : 309 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, मंगलवार, 28 अक्टूबर, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

सनातन परपंरा में सिख गुरूओं का योगदान अविस्मरणीय : मुख्यमंत्री

‘गुरु चरण यात्रा’ के कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत की सनातन परंपरा में सिख गुरुओं का योगदान अविस्मरणीय एवं सराहनीय है। वह गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी पर्व के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे।

खालसा पंथ के संस्थापक श्री गुरू गोविंद सिंह जी महाराज और माता साहिब कौर जी के पवित्र ‘जोड़े साहिब’ की चरण सुहावे गुरू चरण यात्रा के स्वागत के लिए आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि गुरबाणी में लिखा है कि जहां भी गुरु महाराज के पावन चरण पड़ते हैं, वह स्थान राम राज्य के समान पवित्र हो जाता है। यह हमारा सौभाग्य है कि गुरु चरण यात्रा के दौरान हमें गुरु महाराज और गुरु साहिबान के पावन चरणों के दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त होता है। इस अवसर पर मैं केंद्रीय मंत्री

हरदीप सिंह पुरी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने हमें गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी पर्व में सम्मिलित होने का अवसर प्रदान किया। गुरु चरण यात्रा के माध्यम से इस पावन अवसर से जुड़ने का सौभाग्य भी हमें प्राप्त हुआ है। भारत की सनातन परंपरा में सिख गुरुओं का योगदान अविस्मरणीय एवं सराहनीय है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि गुरु परंपरा ने भारत को केवल आस्था नहीं, बल्कि राष्ट्र की रक्षा, सेवा और बलिदान का आदर्श भी दिया है। उन्होंने कहा कि हमारी जिम्मेदारी है कि हम इस विरासत को अक्षुण्ण रखें और आने वाली पीढ़ियों तक इसकी प्रेरणा पहुंचाएं। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग ढाई सौ वर्षों से गुरु महाराज के पावन चरण पादुकाएं, जो पहले अखंड भारत के हिस्से पाकिस्तान में थीं, अब पटना साहिब में स्थापित की जा रही हैं। दिल्ली से शुरू हुई यह यात्रा पूरे देश में गुरु परंपरा के प्रति सम्मान और गौरव का भाव जगाती जा रही है। उन्होंने कहा कि लखनऊ का यहियागंज गुरुद्वारा इसलिए भी विशेष है क्योंकि गुरु तेग बहादुर जी और गुरु गोविंद सिंह जी महाराज की स्मृतियां इस स्थान से जुड़ी हैं। यह गुरुद्वारा हमारी साझा आस्था और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सिख समाज की यह यात्रा केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य के लिए मार्गदर्शन है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि वे इस ‘गुरु चरण यात्रा’ को राष्ट्रीय एकता और आध्यात्मिक जागरण के संदेश के रूप में आगे बढ़ाएं।

दिल्ली में सांसों पर ‘ब्रेक’

1 नवंबर से BS-6, CNG, LNG और EV वाहनों की एंट्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। दीवाली के बाद से दिल्ली-एनसीआर में हवा जहरीली बनी हुई है। अब दिल्ली ट्रांसपोर्ट विभाग ने एक नोटिस जारी किया है कि 1 नवंबर से दिल्ली के अंदर बाहर रजिस्टर्ड वे गाड़ियां नहीं आ सकेंगी, जो BS-6 इंजन की नहीं हैं दिल्ली में केवल उन्हीं गाड़ियों का प्रवेश हो सकता है, जो BS-6 की हैं, या CNG, LNG और EV (इलेक्ट्रिक व्हीकल) हैं। यह नियम प्रदूषण को नियंत्रित करने के उद्देश्य से लागू किया जा रहा है।

कॉमर्शियल वाहन, जिनमें भारत स्टेज 4 (BS-4) इंजन है, ऐसी गाड़ियां दिल्ली में 31 अक्टूबर 2026 तक एंट्री कर सकती हैं। यह छूट सिर्फ BS-4 कॉमर्शियल वाहनों के लिए है, न कि निजी वाहनों के लिए। दिल्ली में रजिस्टर्ड कॉमर्शियल गाड़ियां ही दिल्ली में चल सकती हैं। एजेंसी के मुताबिक, वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (CAQM) के निर्देश के अनुपालन में, 1 नवंबर से राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बाहर रजिस्टर्ड और BS-VI मानकों का पालन न करने वाले सभी कॉमर्शियल

मालवाहक वाहनों के प्रवेश पर रोक लगा दी जाएगी। ट्रांसपोर्ट विभाग द्वारा जारी एक सार्वजनिक नोटिस में कहा गया है कि BS-VI अनुपालक वाहन सख्त उत्सर्जन मानकों को पूरा करते हैं, जो प्रदूषण को कम करने में योगदान देता है।

दिल्ली के प्रदूषण की समस्याओं के बीच 17 अक्टूबर को CAQM की बैठक में 1 नवंबर से प्रदूषण फैलाने वाले कॉमर्शियल वाहनों के प्रवेश पर व्यापक प्रतिबंध लगाने को मंजूरी दी गई थी. ट्रांसपोर्ट विभाग के नोटिस में संक्रमणकालीन उपाय के रूप में BS-IV कॉमर्शियल मालवाहक वाहनों को 31 अक्टूबर 2026 तक दिल्ली में प्रवेश की अनुमति दी गई है।

दिल्ली में रजिस्टर्ड कॉमर्शियल मालवाहक वाहनों, BS-VI अनुपालक डीजल वाहनों, 31 अक्टूबर 2026 तक BS-IV अनुपालक डीजल वाहनों, या CNG, LNG या बिजली से चलने वाले वाहनों के प्रवेश पर कोई प्रतिबंध नहीं होगा. नोटिस में यह भी जोड़ा गया है कि ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (GRAP) के विभिन्न चरणों के तहत कॉमर्शियल मालवाहक वाहनों पर प्रतिबंध लागू होते रहेंगे, जब कोई विशेष चरण लागू रहेगा।

बिसलेरी ब्रांड के नकली पानी का धांधा दुकान से बोलतें बरामद

नोएडा (चेतना मंच)। अपनी सेहत को बेहतर बनाने के लिए अगर आप बाजार से 20 लीटर बिसलेरी पानी की बोतल खरीद रहे हैं तो सावधान हो जाइए। बाजार में कुछ लोग बिसलेरी ब्रांड का नकली पानी बेच रहे हैं। ऐसा ही एक मामला थाना सेक्टर-113 क्षेत्र के सोरखा गांव में प्रकाश में आया है। यहां एक दुकान से 20 लीटर पानी की 304 नकली बोतल बरामद हुई है। दुकानदार के खिलाफ कॉपीराइट अधिनियम के तहत मामला दर्ज कराया गया है।

मुरादनगर गाजियाबाद निवासी शगुन ने बताया कि वह वर्तमान में बिसलेरी इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड में सीडीओ टीम सदस्य के रूप में कार्यरत है। उसने 27 अक्टूबर के सुबह बाजार में उपलब्ध बिसलेरी ब्रांड के तैयार माल की जांच के लिए सोरखा गांव का दौरा किया। सर्वेक्षण के दौरान उसे सोरखा गांव में आर एस मिश्रा स्टोर के परिसर में 20 लीटर के बिसलेरी के जार रखे हुए मिले। उन्होंने दुकानदार से बात की तो उसने स्वयं को बिसलेरी का अधिकृत चैनल पार्टनर बताया। संदेह होने पर उन्होंने कंपनी स्तर पर जांच की तो पता चला कि आर एस मिश्रा स्टोर कंपनी के अधिकृत चैनल पार्टनर सूची में शामिल नहीं है। स्टोर में रखें 20 लीटर पानी के जार की जांच करने पर पता चला कि वह नकली थे। हालांकि इन पर फर्जी तरीके से बैच नंबर व अन्य गोपनीय जानकारी भी अंकित थी। इसके बाद उन्होंने थाना सेक्टर-113 पुलिस को इसकी सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने आर एस मिश्रा स्टोर की तलाशी ली तो यहां से 234 नकली बिसलेरी की 20 लीटर पानी के जार 70 खाली बोतले बरामद हुई। पुलिस ने स्टोर (शेष पृष्ठ-3 पर)

दिल्ली के नेहरू स्टेडियम की तरह नोएडा में बने सिंथेटिक ट्रैक : सीईओ

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम ने निर्देश दिए हैं कि दिल्ली के नेहरु स्टेडियम में बने सिंथेटिक ट्रैक की तर्ज पर नोएडा स्टेडियम में ट्रैक बनाया जाए। इसके लिए नेहरु स्टेडियम में बने ट्रैक का निरीक्षण किया जाए। वहां जो सामग्री लगाई गई उसे यहां स्टेडियम में लगाया जाए। नोएडा स्टेडियम के निरीक्षण के दौरान सीईओ ने यह निर्देश दिये। इस दौरान उप महाप्रबंधक (सिविल) विजय राय, वरिष्ठ प्रबंधक (शेष पृष्ठ-3 पर)

सेक्टर-12 के मंदिर में चोरी का खुलासा

सुनार सहित तीन गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-24 पुलिस ने बीते दिनों सेक्टर-12 के मंदिर में हुई बड़ी चोरी का खुलासा किया है। पुलिस ने चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले चोर तथा भगवान के आभूषणों को गलाने वाले सुनार को गिरफ्तार किया है। इनके पास से आभूषणों को गलाकर बनाई गई 3 किलो 540 ग्राम की चांदी की सिल्ली (सफेद धातु) बरामद की है।

डीसीपी यमुना प्रसाद ने बताया कि थाना सेक्टर-24 प्रभारी सुबोध कुमार व उनकी टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि सेक्टर-12 वी ब्लॉक स्थित मंदिर में आभूषण चोरी करने की घटना को अंजाम देने वाला आरोपी सुनार से मिलने के लिए सेक्टर-11 के वीडियोकॉन चौराहे पर आने वाला है।

सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने बताए गए स्थान पर जाल बिछा दिया। मुखबिर के इशारे पर पुलिस ने विनोद नगर कल्याणपुरी निवासी राजू उर्फ सोनू तथा सुंदर सदाशिव को दबोच लिया। राजू उर्फ सोनू के पास से एक चाकू व वारदात में प्रयुक्त बाइक बरामद हुई। पूछताछ में राजू और सोनू ने मंदिर में मूर्तियों (शेष पृष्ठ-3 पर)

किशोरी को भगा ले गया युवक

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-20 क्षेत्र के अट्टा गांव से एक (13 वर्षीय) किशोरी को एक युवक बहला-फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया। वहीं थाना सेक्टर-63 क्षेत्र से एक (12 वर्षीय) किशोरी अपने घर से बिना बताए चली गई। अट्टा गांव में किराए पर रहने वाले मनोज (काल्पनिक नाम) ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 3 अक्टूबर को उसकी (13 वर्षीय) बेटी लापता हो गई। उसने जब अपनी बेटी की खोजबीन (शेष पृष्ठ-3 पर)

पटाखे जलाने पर हुआ था झगड़ा, दबंगों ने युवक से लिया बदला

नोएडा (चेतना मंच)। गोवर्धन पूजा पर पटाखे जलाने को लेकर हुए झगड़े का बदला लेने के लिए दबंगों ने एक युवक के साथ जमकर मारपीट की और उसे घायल कर दिया। मारपीट के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। इस संबंध में दोनों पक्षों ने एक दूसरे के खिलाफ थाना सेक्टर-63 में आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

ग्राम बहलोलपुर निवासी डंबर सिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनका बेटा प्रिंस 26 अक्टूबर की रात्रि को पास में ही स्थित राजू किराना स्टोर पर सामान खरीदने के लिए गया था। दुकान से सामान खरीदने के बाद वह वापस घर आ रहा था। इस दौरान पड़ोस में रहने वाले योगेश शर्मा, नवीन शर्मा, सोनू, देबू, गौरव, जितेंद्र शर्मा, भरत यादव व पांच अन्य अज्ञात युवाओं ने उसे घेर लिया और गाली गलौज शुरू कर दी। प्रिंस ने जब गाली-गलौज का विरोध किया तो सभी लोगों ने उसके साथ लाठी डंडों से मारपीट की। इस दौरान प्रिंस जमीन पर गिर गया और आरोपी युवक उसे पीटते रहे। झगड़ा होता देखकर आस-पड़ोस के लोग मौके पर इकट्ठा हो गए इसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए ।डाबर सिंह के मुताबिक उनके बेटे का पूर्व में आरोपियों के साथ झगड़ा हुआ था इसी झगड़े का बदला लेने के लिए उसके बेटे के साथ मारपीट की गई है।

वहीं दूसरे पक्ष के योगेश शर्मा ने दर्ज रिपोर्ट बताया कि 22 अक्टूबर को की रात्रि में पटाखे जलाने को लेकर उसके पड़ोस में रहने वाले आकाश, लाला उर्फ प्रशांत, प्रिंस, ललित, कृष, हल्लू आदि ने गाली गलौज की। उसने जब इस बात का विरोध किया (शेष पृष्ठ-3 पर)

RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com

RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com

Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!

We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.

FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI | Transport Facility Available

FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

छठ व्रतियों ने उगते सूर्य को दिया अर्घ्य

नोएडा/ ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। छठ महापर्व का चौथा और आखिरी दिन आज धूमधाम से मनाया गया। तमाम घाटों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सभी श्रद्धालुओं ने उगते सूर्य को अर्घ्य देकर अपने 36 घंटे के उपवास को खोला। इस दौरान आम लोगों से लेकर नेताओं तक सभी भगवान भास्कर की पूजा में मंत्रमुग्ध नजर आए।

आस्था का महापर्व छठ के व्रतियों ने आज सुबह उदयगामी सूर्य को अर्घ्य दिया। सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देंकर व्रत संपन्न किया गया। व्रतियों को अर्घ्य देने के लिए नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा शहर में विभिन्न जगहों पर कृत्रिम तालाब बनाये गए है। जहां पर व्रती द्वारा सूर्य भगवान को अर्घ्य दिया गया।

महापर्व को सकुशल संपन्न कराने में प्राधिकरण के साथ पुलिस प्रशासन भी जुटा हुआ था। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रोशनी, पेयजल, अस्थायी शौचालय, बैरिकेडिंग और सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। घाटों को आकर्षक रूप देने के लिए फूलों की मालाएं, झालरें और रंग-बिरंगी लाइटें लगाई गई थीं। विभिन्न जगहों पर छठ पर्व पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित होते रहे।

वहीं पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर लक्ष्मी सिंह भी छठ व्रत के मद्देनजर सोमवार शाम को ग्राउंड पर उतरी। उन्होंने विभिन्न जगहों पर जाकर व्यवस्था का जायजा लिया तथा अपने मातहत अफसर को निर्देशित किया। डीसीपी नोएडा यमुना प्रसाद द्वारा एडीसीपी नोएडा सुमित कुमार शुक्ला के साथ नोएडा जोन के विभिन्न क्षेत्रों में छठ पूजा के अवसर पर बनाए गए मुख्य चार कृत्रिम घाटों थाना सेक्टर-20 क्षेत्र के नोएडा स्टेडियम, सेक्टर-39, 24 व सेक्टर-126 में बने घाटों पर जाकर व्यवस्था को परखा पुलिस के अधिकारी हिंडन नदी और कालिंदी कुंज ओखला बैराज पर डटे रहे। रात 8 बजे तक छठ व्रतियों की वजह से यातायात रूट डायवर्ट रहा।

बता दें कि नोएडा व ग्रेटर नोएडा में लाखों की संख्या में पूर्वांचल और बिहार के लोग रहते हैं, जो छठ महापर्व मनाते हैं। लोग यहां के विभिन्न सोसायटियों, सेक्टरों में बने छठ घाट, हिंडन नदी, यमुना नदी और गंग नहर के किनारे भी छठ पर्व मनाने के लिए जाते हैं। उन स्थानों पर भी पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा के विशेष प्रबंध किये गए हैं।

नोएडा स्टेडियम में आयोजित छठ पूजा के अवसर पर पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्रा, पूर्व केंद्रीय मंत्री और गौतम बुद्ध के सांसद डॉक्टर महेश शर्मा, महिला आयोग की पूर्व उपाध्यक्ष श्रीमती विमला बाथम सहित कई गणमान्य लोग पहुंचे।

विश्व कल्याण के लिए होती है छठ पूजा : कलराज मिश्रा

इस अवसर पर बोलते हुए कलराज मिश्रा ने कहा कि पूरे देश में छठ का महापर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि छठी मैया की आराधना सर्वत्र हो रही है। उन्होंने कहा कि इस पर्व की यह विशेषता है कि सूर्योदय के समय सूर्य को अर्घ्य प्रदान करते हैं। वही सूर्यास्त के समय भी सूर्य को अर्घ्य प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि यह इसलिए करते हैं कि पूरे विश्व को कल्याण करने वाले सूर्य सबका कल्याण करें। सबको सुख समृद्धि दें। इसी प्रार्थना के साथ यह कार्यक्रम चलाया जाता है। उन्होंने कहा कि छठी मैया से प्रार्थना की जाती है कि वह सब को सुखी रखें।

गाजियाबाद में महापर्व छठ के अवसर पर सोमवार को ढलते सूरज को अर्घ्य देने के लिए व्रती महिलाएं विभिन्न घाटों पर पहुंचीं। इस दौरान कुछ व्रती महिलाएं मन्नत पूरी होने पर दंडवत छठ घाट पहुंचीं। वहीं छठ व्रत की वजह से 28 अक्तूबर को जिले के सभी स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई।

युद्ध की विभीषिकाएं

दुनिया में असंख्य समस्याएं, टकराव, तनाव, विध्वंस और फिर भी युद्ध की विभीषिकाएं हैं। उनका कब तक, क्यों, कहां तक और कैसे विश्लेषण करें। एक पल, एक दिन सुखद, गौरव, गर्व महसूस करने का मिल जाए, तो उसे 'एक अभिनव दीपावली' मान-समझ कर जी लेना चाहिए। दीपावली गुजरने के बाद हमने भी आज उन लम्हों को चुना है, जो हमारे 'राष्ट्रीय गौरव' हैं, जिनमें रोहित शर्मा और विराट कोहली (संक्षेप में रो-को) सरीखे वैश्विक किरदार हैं। उनका आकलन एक-दो 'शून्य' से नहीं किया जा सकता। महानतम ब्रेडमैन, गैरी सोबर्स से लेकर ब्रायन लारा तक, ऑस्ट्रेलिया में ही महानतम रिकी पोंटिंग से स्टीव स्मिथ तक, भारत में पॉली उमरीगर, विजय मर्चेंट से लेकर सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ तक और अब 'रो-को' तक कौनसा ऐसा बल्लेबाज है, जो कभी 'शून्य' पर आउट नहीं हुआ। यह अपवाद नहीं, विज्ञान या प्रौद्योगिकी नहीं कि मशीन एक जैसा ही काम करेगी। मशीन और कम्प्यूटर भी खराब हो जाते हैं, तो क्या आप उन्हें कोस सकते हो? कदापि नहीं, क्योंकि वे जीवंत, इनसानी प्राणी नहीं हैं। क्रिकेट या कोई अन्य खेल, अंततः खेल ही होता है। कुछ क्षण, दिन, मूड खिलाड़ी के अनुकूल नहीं होते, तो वह नाकाम रहता है। मैच हार जाता है। वह स्थिति या खिलाड़ी का फॉर्म 'अस्थायी' होता है। दरअसल व्याख्या और विश्लेषण खिलाड़ी की 'क्लास', हुनर और विख्यात कीर्तिमानों की होनी चाहिए। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा की उम्र 38 साल 180 दिन की है, लेकिन उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की जमीं, पिच पर, उन्हीं की विश्व विजेता टीम के सामने, नाबाद 121 रन (125 गेंद) ठोंक दिए। इस पारी में 13 चौके और 3 छक्के थे। रोहित का ऑस्ट्रेलिया में यह 9वां शतक था, जो महानतम सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड के बराबर है। रोहित एकदिनी क्रिकेट में 33 शतक, 59 अर्द्धशतक लगा चुके हैं, जबकि कुल अंतरराष्ट्रीय शतक 50 हो गए हैं। एकदिनी क्रिकेट में सर्वोच्च रन 264 भी रोहित के नाम दर्ज हैं। वह वैश्विक क्रिकेट के ऐसे इकलौते बल्लेबाज हैं, जिसके नाम एकदिनी क्रिकेट में ही 3 दोहरे शतक दर्ज हैं। यकीनन ये जादुई, शानदार और अतुलनीय आंकड़े हैं। रोहित शर्मा ने उम्र को व्यर्थ, महज एक आंकड़ा साबित कर दिया है। एकदिनी क्रिकेट में वह 11370 रन ठोंक चुके हैं। भारत में वह सचिन और विराट के बाद तीसरे स्थान पर हैं। विराट कोहली की उम्र भी 37 साल के आसपास है। विश्व कप, 2027 तक दोनों की उम्र 40 साल होगी। आलोचक और विरोधी भी उन्हें 'चुका हुआ बल्लेबाज' नहीं आंक सकते। विराट ने भी ऑस्ट्रेलिया की जमीं और पिच पर नाबाद 74 रन की पारी खेली है। 'रो-को' ने दूसरी विकेट के लिए नाबाद 168 रनों का कीर्तिमान भी बना दिया। 'रो-को' की यह शतकीय साझेदारी 19वीं बार है। लेकिन रोहित शर्मा उर्फ 'हिटमैन' कुल 68वीं बार शतकीय साझेदारी का हिस्सा बने। विराट के नाम एकदिनी 51 शतकों का विश्व-कीर्तिमान भी दर्ज है। उन्होंने ही महानतम सचिन तेंदुलकर के 49 शतकों के कीर्तिमान को पीछे किया था। वह अब विश्व क्रिकेट में सचिन के सर्वाधिक 18,426 रनों के बाद दूसरे स्थान पर आ गए हैं। विराट ने ही संगकारा के 14,234 रनों का रिकॉर्ड तोड़ा। दरअसल 'रो-को' का कोई जवाब ही नहीं है। इनके कीर्तिमानों का एक पूरा इतिहास है, लिहाजा एक संपादकीय अपनी परिधि में इन्हें बांध नहीं सकता। टीम इंडिया के मुख्य कोच और मुख्य चयनकर्ता किसी भी पूर्वाग्रह के तहत 'रो-को' को टीम से बाहर रखें, तो देश भर में बवाल मच जाएगा। रोहित को फिर से कप्तान बनाने के मद्देनजर गावस्कर, कपिल देव, रवि शास्त्री, नवजोत सिंह सिद्धू सरीखे विश्व चैम्पियन खिलाडि़ों ने सोशल मीडिया पर लगातार टिप्पणियां लिखी हैं और बीसीसीआई को अपने गलत फैसले पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है। खिलाडियों का चयन उनकी 'क्लास' और मौजूदा खेल के आधार पर किया जाना चाहिए। सिर्फ उम्र के आधार पर उन्हें रिटायर होने को बाध्य नहीं किया जाना चाहिए। रोहित शर्मा टी-20 की विश्व चैम्पियन टीम के भी कप्तान थे। बहरहाल 'रो-को' के संदर्भ में कोई भी दुराग्रह निंदनीय है।

रामचरित मानस

पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि मेरे मनोरथ को आप भलीभाँति जानती हैं, क्योंकि आप सदा सबके हृदय रूपी नगरी में निवास करती हैं। इसी कारण मैंने उसको प्रकट नहीं किया। ऐसा कहकर जानकीजी ने उनके चरण पकड़ लिए॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

बिनय प्रेम बस भई भवानी। खसी माल मूरति मुसुकानी॥
सादर सियँ प्रसादु सिर धरेऊ। बोली गौरि हरषु हियँ भरेऊ॥

गिरिजाजी सीताजी के विनय और प्रेम के वश में हो गईं। उन (के गले) की माला खिसक पड़ी और मूर्ति मुस्कुराई। सीताजी ने आदरपूर्वक उस प्रसाद (माला) को सिर पर धारण किया। गौरीजी का हृदय हर्ष से भर गया और वे बोलीं- ॥

सुनु सिय सत्य असीस हमारी। पूजिहि मन कामना तुम्हारी॥
नारद बचन सदा सुचि साचा। सो बरु मिलिहि जाहिं मनु राचा॥

हे सीता! हमारी सच्ची आसीस सुनो, तुम्हारी मनःकामना पूरी होगी। नारदजी का वचन सदा पवित्र (संशय, भ्रम आदि दोषों से रहित) और सत्य है। जिसमें तुम्हारा मन अनुरक्त हो गया है, वही वर तुमको मिलेगा॥

मनु जाहिं राचेउ मिलिहि सो बरु सहज सुंदर साँवरो।
करुना निधान सुजान सीलु सनेहु जानत रावरो॥
एहि भाँति गौरि असीस सुनि सिय सहित हियँ हरषीं अली।
तुलसी भवानिहि पूजि पुनि पुनि मुदित मन मंदिर चली॥

जिसमें तुम्हारा मन अनुरक्त हो गया है, वही स्वभाव से ही सुंदर साँवला वर (श्री रामचन्द्रजी) तुमको मिलेगा। वह दया का खजाना और सुजान (सर्वज्ञ) है, तुम्हारे शील और स्नेह को जानता है। इस प्रकार श्री गौरीजी का आशीर्वाद सुनकर जानकीजी समेत सब सखियाँ हृदय में हर्षित हुईं। तुलसीदासजी कहते हैं- भवानीजी को बार-बार पूजकर सीताजी प्रसन्न मन से राजमहल को लौट चलीं॥ (क्रमशः..)

संतुलन, संयम और सक्रियता जयशंकर की पहचान

भारत और अमेरिका के बीच बीते कुछ महीनों से जो आर्थिक और रणनीतिक असहमति का दौर चल रहा है, उसने दोनों देशों के 'स्वाभाविक साझेदारी' वाले रिश्ते पर गहरा असर डाला है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाना इस तनाव का चरम बिंदु रहा। भारत ने इसे 'अनुचित, असंगत और अविवेकपूर्ण' करार दिया। किंतु कूटनीति का मूल्य संकट के समय ही मापा जाता है और यही बात कुआलालंपुर में आसियान शिखर सम्मेलन के इतर विदेश मंत्री एस. जयशंकर और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की मुलाकात में स्पष्ट रूप से दिखाई दी।

जयशंकर और रुबियो की यह वार्ता ऐसे समय में हुई जब दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते के पहले चरण की वार्ता लगभग अंतिम दौर में है। पांच चरण पूरे हो चुके हैं और सूत्रों के अनुसार समझौता 'बहुत जल्द' होने वाला है।

जयशंकर और रुबियो की यह वार्ता ऐसे समय में हुई जब दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते के पहले चरण की वार्ता लगभग अंतिम दौर में है। पांच चरण पूरे हो चुके हैं और सूत्रों के अनुसार समझौता 'बहुत जल्द' होने वाला है। यह संकेत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि भारत-अमेरिका व्यापारिक तनाव का असर सिर्फ द्विपक्षीय नहीं बल्कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और हिंद-प्रशांत की आर्थिक स्थिरता पर भी पड़ रहा है। भारत की ओर से यह कोशिश स्पष्ट दिख रही है कि वह न केवल शुल्क विवाद को सुलझाना चाहता है, बल्कि व्यापक आर्थिक सहयोग को फिर से गति देना चाहता है।

रुबियो ने भी अपने बयान में यह स्वीकार किया कि भारत 'हमारा ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण सहयोगी' है। उन्होंने पाकिस्तान के साथ अमेरिका के संबंधों को लेकर उठे सवालों पर सफाई देते हुए कहा कि हम पाकिस्तान के साथ रिश्ते भारत की कीमत पर नहीं बढ़ा रहे। यह वक्तव्य अमेरिकी विदेश नीति के उस द्वंद्व को भी रेखांकित करता है, जिसमें वाशिंगटन इस्लामाबाद को फिर से अपनी रणनीतिक गणना में शामिल करना चाहता है, लेकिन नई दिल्ली की संवेदनशीलता को भी नज़रअंदाज़ नहीं कर सकता।

देखा जाये तो अमेरिका और पाकिस्तान के बीच पिछले कुछ महीनों में बढ़ती निकटता भारत के लिए चिंता का विषय रही है, खासकर तब जब ट्रंप प्रशासन ने मई में भारत-पाकिस्तान सीमा संघर्ष के बाद पाक सेना प्रमुख आसिम मुनीर से सीधी वार्ता की। अमेरिका का यह दावा कि ट्रंप ने 'संघर्ष विराम में मध्यस्थता' की, नई दिल्ली के लिए अस्वीकार्य रहा। रुबियो ने भले ही यह स्पष्ट किया कि पाकिस्तान के साथ बढ़ते संबंध 'भारत की कीमत पर नहीं होंगे', लेकिन कूटनीति में ऐसी पंक्तियाँ आश्वासन से अधिक संकेतों का माध्यम होती हैं। भारत के लिए संदेश साफ है कि वाशिंगटन अपनी क्षेत्रीय रणनीति में इस्लामाबाद को पूरी तरह अलग नहीं करेगा, पर नई दिल्ली को साझेदारी में बराबरी का दर्जा देने की कोशिश जारी रखेगा।

साथ ही रुबियो की टिप्पणी कि भारत ने पहले ही तेल खरीद में विविधता लाने की इच्छा व्यक्त की है यह दर्शाती है कि अमेरिका अब भारत के ऊर्जा निर्णयों पर सीधे दबाव डालने के बजाय संवाद का रास्ता अपना रहा है। यह एक व्यावहारिक बदलाव है। रूस से सस्ता तेल खरीदना भारत के लिए महज़ ऊर्जा नीति नहीं, बल्कि आर्थिक स्थिरता का प्रश्न है। जयशंकर बार-बार यह दोहरा चुके हैं कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों के अनुरूप निर्णय लेता है। इस पृष्ठभूमि में रुबियो की भाषा अपेक्षाकृत संयमित और यथार्थपरक दिखी, जो बताती है कि अमेरिका भारत की स्वायत्त विदेश नीति को धीरे-धीरे स्वीकार करने की दिशा में है।

इसके अलावा, जयशंकर की मलेशिया, सिंगापुर, थाईलैंड और दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्रियों से हुई अलग-अलग बैठकों का महत्व भी इसी संदर्भ में समझा जाना चाहिए। आसियान भारत की 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' का प्रमुख स्तंभ है और चीन के बढ़ते प्रभाव के बीच भारत इस मंच को अपने रणनीतिक संतुलन के रूप में देखता है। मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम से मुलाकात, सिंगापुर के विवियन बालाकृष्णन के साथ क्षेत्रीय सुरक्षा पर चर्चा और कोरिया के साथ सेमीकंडक्टर व रक्षा सहयोग पर वार्ता, ये सब भारत की बहुध्रुवीय कूटनीति की झलक हैं।

जयशंकर का यह संदेश स्पष्ट है कि भारत किसी एक ध्रुवीय— चाहे वह अमेरिका हो या रूस, पर निर्भर नहीं रहना चाहता। बल्कि वह एशिया और इंडो-पैसिफिक में अपने साझेदारों के साथ मिलकर एक समावेशी सुरक्षा व आर्थिक ढाँचा बनाना चाहता है।

देखा जाये तो भारत-अमेरिका संबंधों की सबसे बड़ी विशेषता यही रही है कि संकट के दौर में भी संवाद के पुल टूटते नहीं। चाहे वह 1998 के परमाणु परीक्षण हों या आज के शुल्क विवाद, हर बार दोनों देशों ने कूटनीतिक विवेक से संबंधों को संभाला है। जयशंकरङ्करुबियो वार्ता भी उसी परंपरा का विस्तार है। दोनों नेताओं के बयान यह संकेत देते हैं कि मतभेदों के बावजूद 'मित्रता' की भाषा कायम है। रुबियो का यह कहना कि भारतीय कूटनीति परिपक्व और व्यावहारिक है। दरअसल भारत की वैश्विक स्थिति की स्वीकारोक्ति है। वाशिंगटन अब यह समझ रहा है कि नई दिल्ली को केवल रणनीतिक भागीदार के रूप में नहीं, बल्कि एक स्वतंत्र शक्ति केंद्र के रूप में स्वीकार करना होगा।

साथ ही कुआलालंपुर की मुलाकात को सिर्फ एक औपचारिक राजनयिक घटना मानना भूल होगी। जयशंकर ने जिस संतुलन, संयम और सक्रियता के साथ आसियान मंच का उपयोग किया, वह दर्शाता है कि भारत आज केवल प्रतिक्रियात्मक कूटनीति नहीं कर रहा, बल्कि अपनी शर्तों पर वैश्विक संवाद को आकार दे रहा है। वहीं, रुबियो का संयमित स्वर बताता है कि अमेरिका भी भारत को अब सिर्फ एक 'पार्टनर' नहीं बल्कि एक 'पोल', यानी शक्ति के स्वतंत्र केंद्र, के रूप में देखने को तैयार हो रहा है। तनाव भले ही बाकी हों, पर संवाद जारी है और यही किसी भी परिपक्व साझेदारी की असली कसौटी होती है।

-नीरज कुमार दुबे

अस्थिर गठबंधन और युवा बनाम अनुभवी नेतृत्व की जंग

अशोक मधुप
वरिष्ठ पत्रकार

बिहार का 2025 विधानसभा चुनाव राजनीतिक अस्थिरता, नए सिरे से बने गठबंधनों, और युवा बनाम अनुभवी नेतृत्व के बीच सीधे मुकाबले के कारण भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ बन चुका है। यह चुनाव न केवल राज्य के शासन की दिशा तय करेगा, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी राजनीतिक समीकरणों को प्रभावित करने की क्षमता रखता है। इस बार का चुनावी परिदृश्य पिछले चुनावों से कई मायनों में अलग है, खासकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बार-बार पाला बदलने ने इस जंग को और भी दिलचस्प बना दिया है। यह चुनाव मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का राजनैतिक भविष्य भी तै करेगा।

बिहार की राजनीति हमेशा से ही गठबंधनों के टूटने और बनने के लिए जानी जाती है, लेकिन 2025 के चुनाव से पहले का घटनाक्रम अभूतपूर्व रहा।जनवरी 2024 में, जनता दल (यूनाइटेड) के नीतीश कुमार ने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेतृत्व वाले महागठबंधन को छोड़कर नौवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली और एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के साथ मिलकर सरकार बनाई। इस बार एनडीए में प्रमुख रूप से बीजेपी, जदयू और जीतन राम मांझी की हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (एचएएम) शामिल हैं।

एनडीए गठबंधन विकास और सुशासन के पुराने एजेंडे पर भरोसा कर रहा है, साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का राष्ट्रीय चेहरा एक बड़ा फैक्टर है। हालांकि, नीतीश कुमार के दल-बदल से उपजी विश्वसनीयता का संकट एनडीए के लिए एक चुनौती है। सीट बंटवारे को लेकर कुछ छोटे सहयोगियों में असंतोष की खबरें और मगध जैसे कुछ क्षेत्रों में पिछले चुनाव में एनडीए का कमजोर प्रदर्शन इस गठबंधन के लिए चिंता का विषय है।

नीतीश कुमार के एनडीए में लौटने के बाद, राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के युवा नेता तेजस्वी यादव महागठबंधन के एकमात्र और निर्विवाद नेता बन गए हैं। इस गठबंधन में आरजेडी, कांग्रेस, और वाम दल (CPI, CPI-ML) शामिल हैं। महागठबंधन का मुख्य फोकस तेजस्वी यादव के 'रोजगार और विकास' के वादे पर है। तेजस्वी, अपने पिता लालू प्रसाद यादव के सामाजिक न्याय के आधार को आर्थिक न्याय के साथ जोड़कर एक नया राजनीतिक विमर्श बनाने की कोशिश कर रहे हैं। तेजस्वी यादव खुद को परिवर्तनकारी नेता के रूप में पेश कर रहे हैं, जो 'डबल इंजन' सरकार की कथित विफलता और पुराने जंगलराज के आरोपों का मुकाबला 'युवा और विजनरी' नेता की छवि से कर रहे हैं।

बिहार की राजनीति में जातिगत समीकरण हमेशा से ही निर्णायक रहे हैं। इस चुनाव में भी '4 C' (कास्ट, कैंडिडेट, कैश और कोऑर्डिनेशन) फैक्टर महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। जीतन राम मांझी (HAM) और मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी (VIP) जैसे छोटे क्षेत्रीय दल, जो क्रमशः मुसहर और अत्यंत पिछड़ा वर्ग (EBC) के मतदाताओं पर प्रभाव रखते हैं, निर्णायक साबित हो सकते हैं। VIP, जो अब महागठबंधन में है, मिथिलांचल क्षेत्र में अपनी मजबूत पकड़ के कारण गठबंधन को मजबूती दे सकता है।

यादव-मुस्लिम (MY) समीकरण RJD का पारंपरिक आधार है, जबकि NDA कुर्मी-कोइरी के साथ मिलकर अगड़ी जातियों और दलितों के एक हिस्से को साधने की कोशिश कर रहा है।

यह चुनाव केवल गठबंधन की राजनीति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जनहित के मुद्दों पर भी लड़ा जा रहा है। तेजस्वी यादव ने 10 लाख सरकारी नौकरियों का अपना पुराना वादा दोहराया है, जो राज्य के युवा मतदाताओं के बीच एक बड़ा चुनावी मुद्दा है। एनडीए 'जंगलराज' के आरोपों को फिर से हवा दे रहा है, लेकिन तेजस्वी यादव ने इस बार इसे 'डबल जंगलराज' कहकर पलटवार किया है। वे मौजूदा NDA सरकार पर कानून व्यवस्था बनाए रखने में विफल रहने का आरोप लगाया है।

दोनों गठबंधन राज्य में शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे के विकास पर अपने-अपने दावों के साथ मतदाताओं को लुभाने की कोशिश कर रहे हैं। शुरुआती सर्वे (2025 की शुरुआत में) NDA को बढ़त दिखाते रहे हैं, लेकिन तेजस्वी की ताबड़तोड़ रैलियों और महागठबंधन के जमीनी प्रचार ने मुकाबला काँटे की टक्कर में बदल दिया है। बिहार का चुनावी परिणाम बहुत हद तक काँटे की टक्कर में फंसा हुआ दिखता है, जहाँ जीत-हार का फैसला कुछ ही सौ वोटों के अंतर से हो सकता है (जैसा कि 2020 में हिल्सा जैसी सीटों पर हुआ था)।

तेजस्वी यादव के लिए यह चुनाव उनकी राजनीतिक परिपक्वता और नेतृत्व की क्षमता की सबसे बड़ी परीक्षा है। तो यह चुनाव नीतीश कुमार की राजनीतिक विरासत पर एक जनमत संग्रह भी होगा, जिनके बार-बार पाला बदलने की आलोचना हो रही है। एनडीए के भीतर, यह भाजपा की ताकत को भी परखेगा कि क्या वह अपने सहयोगियों पर निर्भरता कम करके खुद को राज्य की सबसे बड़ी पार्टी के रूप में स्थापित कर सकती है।

इस बार के चुनाव में पहली बार 'जन सुराज पार्टी' नामक एक नया राजनैतिक दल भी बिहार की राजनीति में अपनी ज़ोरदार उपस्थिति दर्ज करा रहा है। 'जन सुराज पार्टी' जैसे किसी नवगठित दल द्वारा अपने पहले ही चुनाव में राज्य की सभी 243 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े करना ही अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। बड़ी बात यह है कि इस पार्टी के लगभग सभी उम्मीदवार शिक्षित, बुद्धिजीवी, पूर्व नौकर शाह, पूर्व आईएएस, आई पी एस, वैज्ञानिक, गणितज्ञ तथा शिक्षाविद हैं जबकि चुनाव मैदान में कूदे अन्य पारंपरिक राष्ट्रीय व क्षेत्रीय राजनैतिक दलों के उम्मीदवारों की शिक्षा, उनके आचरण, चरित्र व योग्यता के विषय में कुछ अधिक बताने की ज़रुरत ही नहीं। बहरहाल इस नये नवेले राजनैतिक दल 'जन सुराज पार्टी' के संस्थापक व अकेले रणनीतिकार व स्टार प्रचारक वही प्रशांत किशोर हैं, जो नरेंद्र मोदी व भाजपा से लेकर देश के अधिकांश राजनैतिक दलों व नेताओं के लिये एक पेशेवर के रूप में चुनावी रणनीति तैयार करने के बारे में जाने जाते हैं। देश के विभिन्न राजनैतिक दलों को अपनी रणनीति का लोहा मनवाने के बाद मूल रूप से बिहार के ही रहने वाले प्रशांत किशोर ने अपनी योग्यता का प्रयोग सर्वप्रथम अपने ही राज्य के विकास के लिये करने का निर्णय लिया और 2022 में बिहार की जनता को जागरूक करने व उन्हें उनकी व पूरे राज्य की बदहाली के मूल कारणों से अवगत कराने के मक़सद से बिहार में 'जन सुराज अभियान' चलने की घोषणा की। इस घोषणा के बाद ही उन्होंने राज्य में लगभग 3,000 किलोमीटर की पदयात्रा भी की। देखना है कि बिहार की राजनीति में यह कितना परिवर्तन लाने में सफल होते हैं।

संक्षेप में, बिहार 2025 का चुनाव स्थिरता बनाम परिवर्तन, अनुभव बनाम युवा ऊर्जा, और पुराने जातिगत आधार बनाम नए आर्थिक विमर्श के बीच का संघर्ष है। मतगणना के दिन तक, राज्य की 243 सीटों पर अनिश्चितता का माहौल बना रहेगा।

राशिफल

कार्तिक माह, शुक्ल पक्ष, षष्ठी | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
शुभ समय, अच्छा समय, भाग्यकारी समय। यात्रा का योग बनेगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
एक दिन और है। कुछ घंटे की बात है। थोड़ा सा समय खराब है। प्रेम संतान का साथ होगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी चाकरी की स्थिति अच्छी होगी।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
शत्रुओं पर दबदबा कायम रहेगा। स्वास्थ्य थोड़ा प्रभावित रहेगा। प्रेम, संतान अच्छा रहेगा। व्यापार अच्छा रहेगा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
भावुकता पर काबू रखें। महत्वपूर्ण निर्णय थोड़ा रोक दें क्योंकि भावुकता में लिया गया निर्णय नुकसान करेगा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
भौतिक सुख संपदा में वृद्धि होगी। भूमि, भवन और वाहन की खरीदारी संभाव है।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
अगर कुछ भी अपने व्यापारिक रूप में डिजाइन किया है, उसको कार्य रूप दें। शुभ समय है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
अपनों में वृद्धि होगी। धन में वृद्धि होगी। बस जुबान पर काबू रखें। निवेश पर काबू रखें।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। समाज में सराहे जाएंगे। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार बहुत अच्छा रहेगा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
चिंताकारी सृष्टि का सृजन हो रहा है। अज्ञात भय सताएगा। स्वास्थ्य थोड़ा ऊपर नीचे रहेगा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। पुराने स्त्रोत से भी पैसे आएंगे। यात्रा का योग बनेगा। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
राजनीतिक लाभ होगा। पिता का साथ होगा। कोर्ट कचहरी में विजय होगा। व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ है।

जेवर में भाजपा महिला मोर्चा का 'आत्मनिर्भर भारत सम्मेलन' सम्पन्न

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी, जिला गौतमबुद्ध नगर के जेवर विधानसभा क्षेत्र में 'आत्मनिर्भर भारत सम्मेलन' का आयोजन जेवर प्रज्ञान पार्क में किया गया। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रदेश महिला मोर्चा की अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद गीता शाक्य रहीं, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य राजेंद्री लोधी ने सहभागिता की।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए सांसद गीता शाक्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा जब हर भारतीय देश में बनी वस्तुओं को प्राथमिकता देगा। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के लिए जरूरी है कि हम घर के प्रत्येक सामान में 'मेड इन इंडिया' को अपनाएं। इसी उद्देश्य से भारतीय जनता पार्टी पूरे देश में महिला आत्मनिर्भर भारत सम्मेलन आयोजित कर रही है, ताकि भारत की माताएं और बहनें इस अभियान की प्रेरणा बन सकें।

प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य राजेंद्री लोधी ने कहा कि महिला मोर्चा की कार्यकर्ता बहनें गांव-गांव जाकर आत्मनिर्भर भारत का संकल्प जन-जन तक पहुंचा रही हैं और लोगों से संकल्प पत्र भरवा कर जनजागरण अभियान चला रही हैं।

वहीं जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के आत्मनिर्भर और विकसित भारत के सपने को जनता की शक्ति ही साकार करेगी। उन्होंने कहा कि इन अभियानों के चलते अब देश में बनी वस्तुओं की बिक्री में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है।

कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष सतेन्द्र नागर, महिला मोर्चा अध्यक्ष रजनी तोमर, अमित पंडित, विकास चौधरी, वीरेन्द्र भाटी, संजय रावत, सतपाल तालान, अर्पण सिंह, बीना शुक्ला, संगीता रावल, ऊषा वत्स, सविता गुर्जर, लता दूबे, लक्ष्मी शर्मा सहित सैकड़ों महिला कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

चोरी की बाइक के साथ बदमाश पकड़ा

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-142 पुलिस ने एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। वाहन चोर के पास से चोरी की एक बाइक व चाकू बरामद हुआ है। पकड़ा गया आरोपी चोरी की बाइक पर फर्जी नंबर प्लेट लगाकर चल रहा था। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम सेक्टर-137 मेट्रो स्टेशन से एडवांट टावर की तरफ जाने वाले रास्ते पर वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इस दौरान एक युवक बाइक पर आता हुआ दिखाई दिया। पुलिस को देखकर बाइक सवार ने मुड़कर भगाने का प्रयास किया संदेह के आधार पर पुलिस टीम ने पीछाकर उसे कुछ दूरी पर रुकवा लिया। तलाशी लेने पर युवक के पास से एक चाकू बरामद हुआ। पूछताछ में पकड़े गए बदमाश ने अपना नाम संजू रावत पुत्र पदम उर्फ कालू निवासी ग्राम नांगली श्याम पीजी के पास बताया। संजू रावत ने स्वीकार किया कि उससे बरामद बाइक चोरी की है। उसने यह बाइक हरियाणा से चोरी की थी। चोरी की इस बाइक पर वह फर्जी नंबर प्लेट लगाकर चला रहा था। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट व अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज न्यायालय में पेश किया गया है।

छठ महापर्व के अवसर पर सोमवार शाम ढलते सूर्य को अर्घदेवी सेक्टर-75 निवासी श्रीमती बबिता श्रीवास्तव व अन्य व्रती महिलाएं

सेक्टर बीटा-1 में गंदगी पर मचा हंगामा

आरडब्ल्यूए की शिकायत के बाद ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने ठेकेदार को लगाई फटकार

ग्रेटर नोएडा। सेक्टर बीटा-1 में लंबे समय से चली आ रही सफाई व्यवस्था की बदहाली को लेकर आखिरकार ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण हरकत में आ गया है। सेक्टर बीटा-1 की ओर से लगातार कई दिनों से स्वास्थ्य विभाग के ठेकेदार पर लापरवाही बरतने की शिकायतें की जा रही थीं। शिकायतों के बाद मंगलवार को प्राधिकरण के स्वास्थ्य विभाग और हॉर्टिकल्चर विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और आरडब्ल्यूए टीम के साथ बैठक की।

आरडब्ल्यूए अध्यक्ष संगीता शर्मा और महासचिव हरेन्द्र भाटी ने कहा कि सेक्टर की गलियों और पार्कों की नियमित सफाई नहीं की जा रही है।

बैठक के दौरान उद्यान विभाग के डीजीएम एस.के. जैन ने ठेकेदार अजय सिसोदिया को सख्त निर्देश दिए कि सभी पार्कों की सफाई और मेंटेनेंस का काम पूरी जिम्मेदारी से किया जाए। वहीं स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक राजेश गौतम, प्रबंधक लव शंकर, सहायक प्रबंधक गौरव भगेल और कुलदीप शर्मा के साथ सेनेटरी इंस्पेक्टर राकेश पाल ने भी आश्वासन दिया कि अब सेक्टर की सभी गलियों में व्यवस्थित सफाई कराई जाएगी। अधिकारियों ने यह भी कहा कि यदि ठेकेदार ने अब लापरवाही की, तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में आरडब्ल्यूए टीम के उपाध्यक्ष राजवीर सिंह, सचिव ओम प्रकाश शर्मा, सुनील भाटी, विद्या सुनील प्रधान, चौधरी जयपाल सिंह, सुपरवाइजर मिथुन, कुलदीप शर्मा, गिरीश सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

पृष्ठ एक के शेष....

बिसलेरी ब्रांड के ...

संचालक रमाशंकर मिश्रा को भी विरासत में लिया।

शगुन ने आरोप लगाया कि स्टोर संचालक रमाशंकर मिश्रा ने मूल बिसलेरी 20 लीटर पानी के जार की पूरी पैकेजिंग की नकल कर कॉपीराइट एक्ट का उल्लंघन किया है इसके अलावा उसने बारकोड और अन्य गोपनीय जानकारी की भी नकल करने का प्रयास किया है। आरोपी के खिलाफ कॉपीराइट एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

सेक्टर-12 के मंदिर...

पर चढ़ाए गए जेवरातों को चोरी की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। राजू और सोनू ने बताया कि चोरी करने के बाद उसने चांदी के तमाम जेवरात मुरादाबाद निवासी सुंदर सदाशिव को गलाने के लिए दे दिए थे। सदाशिव में जेवरातों को गलाने के बाद उन्हें वापस देने के लिए आया था।

डीसीपी ने बताया कि राजू उर्फ सोनू ने रेकी करने के पश्चात मंदिर में चोरी की घटना को अंजाम दिया था। चोरी की घटना का खुलासा करने के लिए थाना सेक्टर-24 की पुलिस की कई टीम में लगी हुई थी। पुलिस मैनुअल सर्विलेंस द्वारा आरोपी तक पहुंचाने का प्रयास कर रही थी।

पटाखे जलाने पर...

तो आरोपियों ने मारपीट शुरू कर दी। उसे बचाने आए उसके भाई नवीन के साथ भी मारपीट की गई। थाना प्रभारी अवधेश प्रताप सिंह का कहना है कि दोनों पक्षों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

दिल्ली के नेहरू...

सर्किल-2 कपिल सिंह व अन्य कर्मचारी भी उपस्थित रहे। निरीक्षण का उद्देश्य निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लेना और इसे समय पर उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा करना भी रहा।

निरीक्षण के दौरान सीईओ डॉ. लोकेश एम ने कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सिंथेटिक ट्रैक के बीच में बची हुई जगह को ग्रीन लैंडस्केप के रूप में विकसित किया जाए। इसके साथ ही, सिंथेटिक ट्रैक और बाउंड्री वॉल के स्केटिंग रिंग वाले हिस्से में गेट के सामने इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाई जाएं। अन्य बची हुई जगहों को ग्रीन लैंडस्केप और कुछ हिस्सों को चेंज रूम के रूप में विकसित करने के निर्देश भी दिए गए। सीईओ ने यह भी निर्देश दिया कि दिल्ली स्थित नेहरु स्टेडियम में निर्मित सिंथेटिक ट्रैक का निरीक्षण किया जाए और वहां उपयोग किए गए सामग्री का अध्ययन कर नोएडा सेक्टर-21 में निर्माणाधीन सिंथेटिक ट्रैक को समान गुणवत्ता के मानकों के अनुसार तैयार किया जाए। उन्होंने यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया कि निर्माण कार्य निर्धारित मानकों और गुणवत्ता के अनुसार शीघ्रता से पूरा किया जाए। निरीक्षण के दौरान सीईओ ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने की बात कही। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य में उपयोग की जा रही सामग्री की गुणवत्ता को सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। इसके साथ ही, उन्होंने निर्माण कार्य को तय समय सीमा के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए। नोएडा सेक्टर-21 में बन रहा यह सिंथेटिक ट्रैक क्षेत्र के खेल प्रेमियों के लिए एक महत्वपूर्ण सुविधा साबित होगा। यह ट्रैक न केवल खेल गतिविधियों को बढ़ावा देगा, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए एक बेहतर वातावरण भी प्रदान करेगा।

किशोरी को...

की तो पता चला कि हरौला में रहने वाला रूपेश उसकी बेटी को बहला फुसलाकर भगा ले गया है। उसने रुपेश के मोबाइल फोन पर कई बार अपनी बेटी के बारे में कॉल की लेकिन उसने कोई जानकारी नहीं दी। मनोज ने रुपेश के खिलाफ नाबालिक को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है।

वहीं थाना सेक्टर-63 क्षेत्र के ब्लॉक जे की झुग्गी में रहने वाली नजमा (काल्पनिक नाम) ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनकी (12 वर्षीय) बेटी 16 अक्टूबर को घर से बिना बताए चली गई। उन्होंने अपनी बेटी की काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। पुलिस का कहना है कि परिजनों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और लापता किशोरियों की तलाश की जा रही है।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

आज सुबह 5:00 बजे जिला अध्यक्ष नोएडा महेश चौहान सेक्टर-82 नोएडा घाट पर कार्यकर्ताओं के साथ पहुंच कर छठी मैया का आशीर्वाद प्राप्त।

धान से भरी बोरियां चोरी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।

जनपद के देहात क्षेत्र में चोर नगदी,जेवरात व अन्य कीमती सामान के अलावा अब लोगों की फसल भी चोरी करने लगे हैं। थाना जेवर क्षेत्र के दयोरार गांव में एक किसान के खेत में मशीन से निकाली हुई धान की फसल को चोरों ने चोरी कर लिया। चोर खेत में धान से भरी बोरियां चोरी कर ले गए। पीड़ित किसान ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

ग्राम भवोकरा निवासी मोहित ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसने दयोरार गांव स्थित अपने खेत में धान की फसल उगाई थी। बीते दिनों उसने अपनी फसल काटने के बाद मशीन से धन निकलवाई थी। यह धान खेत में ही रखी हुई थी। 23 अक्टूबर की रात्रि को चोरों ने मशीन से निकली हुई धान की फसल को चोरी कर लिया। 24 अक्टूबर की सुबह जब वह खेत पर पहुंचा तो उसके धान गायब थे। पुलिस का कहना है कि पीड़ित किसान की शिकायत पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

बहू ने ससुर पर लगाए अश्लील आरोप, आहत होकर पी लिया तेजाब

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। दहेज उत्पीड़न विरोधी कानून जहां महिलाओं की सुरक्षा के लिए बड़ा हथियार है। वहीं अब इसका गलत इस्तेमाल भी होने लगा है। ग्रेटर नोएडा में एक ऐसा ही मामला सामने आया है जहां एक बहू ने दहेज उत्पीड़न विरोधी कानून का सहारा लेकर अपने ससुर पर ऐसे गंभीर और अश्लील आरोप लगाए कि लोक लाज के भय से ससुर ने तेजाब पी लिया। इलाज के दौरान ससुर की मौत हो गई। इस संबंध में मृतक की पत्नी ने थाना बादलपुर में अपनी बहू के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है।

ग्राम गिरधरपुर निवासी श्रीमती चुन्नी देवी ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि बीते 9 सितंबर की सुबह उसकी पुत्रवधू निकिता गुप्ता ने अपने ससुर जगन्नाथ के साथ अपमानजनक व्यवहार करते हुए अपशब्दों का प्रयोग किया। चुन्नी देवी के मुताबिक 9 सितंबर को उनकी पुत्रवधू निकिता गुप्ता अपने पति योगेश के साथ झगड़ा कर रही थी। इस दौरान उसने योगेश पर हैंगर से वार कर दिया। माता-पिता में झगड़ा होता देखकर उनकी बेटी रोने लगी। इस पर जगन्नाथ ने बेटे और बहू को समझने का प्रयास किया। जगन्नाथ के समझाने पर निकिता गुप्ता उग्र हो गई। इस पर जगन्नाथ ने घटना का वीडियो बनाना शुरू कर दिया। वीडियो बनता देख निकिता गुप्ता घर से बाहर आ गई और उसने अपने ससुर पर भद्दे और गंदे इल्जाम लगाते हुए शोर शराबा शुरू कर दिया। निकिता ने गली में खड़े होकर उसे तथा उसके पति जगन्नाथ को जमकर गालियां देते हुए अपमानित किया।

चुन्नी देवी के मुताबिक सरेआम हुए इस अपमान को उसके पति बर्दाश्त नहीं कर पाए और उन्होंने तेजाब पी लिया। गंभीर स्थिति में उन्हें दिल्ली के जीटीबी अस्पताल भर्ती कराया गया जहां अगले दिन उनकी मौत हो गई। पीड़िता का आरोप है कि उनकी बहू ने बनाई गई वीडियो को भी चोरी छुपे मोबाइल फोन से डिलीट करदिया। मृत्यु से पूर्व जगगनाथ ने वीडियो में अपनी मौत का जिम्मेदार अपनी पुत्रवधू को बताया है। चुन्नी देवी का आरोप है कि उनकी बहू आए दिन उनके साथ लड़ाई झगड़ा और मारपीट करती थी साथ ही उन्हें अपशब्द भी बोलती थी। वह अक्सर अपने ससुर और देवर को दहेज और बलात्कार के झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी भी देती थी। पीड़िता ने अपनी बहू पर आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाते हुए उससे असुरक्षा भी जताई है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने बहू के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

संबंध-विच्छेद

मैं, अपनी पुत्री को अपनी मर्जी से शादी व गलत व्यवहार के कारण अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर सम्बन्ध-विच्छेद कर रहा हूँ। भविष्य में अपने कार्यों के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगी।

नरेन्द्र कुमार पुत्र श्री चरण सिंह निवासी-172, सदरपुर, सैक्टर-45, नोएडा, थाना सैक्टर-39, नोएडा जिला गौतमबुद्ध नगर।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना सं0: JHS-N-GSU-10-25 दिनांक: 21.10.2025

ई-निविदा सूचना

उप मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार अभियंता (गति शक्ति यूनिट) उत्तर मध्य रेल झांसी भारत के राष्ट्रपति के लिए व उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (ई- टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।

कार्य का नाम: ईआई अल्ट्रेशन एण्ड अदर एस एण्ड टी वर्क इन कनेक्शन बिथ प्रोविजन ऑफ टू एडीशनल लोडिंग अनलोडिंग लाइन्स एट रायरू गुडस शेड ऑफ झाँसी डिविजन।

कार्य लागत लगभग : ₹ 15529186.87	**धरोहर राशि** : ₹ 227700.00
निविदा प्रपत्र का मूल्य : Nil.	**निविदा खुलने की तिथि:** 12.11.2025 Time 15:00

स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन अवधि : 12 माह

निविदा **दिनांक 12.11.2025 को 15:00 बजे** तक ऑन लाईन जमा कर सकेंगे। पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट www.ireps.gov.in (JHANSI DIVISION-GATI SHAKTI, NORTH CENTRAL RLY) पर देखें। 1968/25(DG)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

खास खबर

हूती विद्रोहियों ने दो और यूएन कर्मियों को अगवा किया

सना , एजेंसी। पश्चिम एशिया में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने दो और संयुक्त राष्ट्र कर्मियों को अगवा किया है। यमन में संयुक्त राष्ट्र के खिलाफ लगातार आक्रामक तेवर दिखा रहे हूती लड़ाकों ने जिन्हें अगवा किया है उसमें एक महिला भी शामिल हैं, जिनकी हालत गंभीर है। शनिवार को यमन की राजधानी सना में विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) की दो महिला कर्मचारियों को घर से अगवा किया गया। इनमें से एक महिला ने हाल ही में समय से पहले बच्चे को जन्म दिया था, जिसकी मृत्यु हो गई थी। वह एक अन्य डब्ल्यूएफपी कर्मचारी की बहन है। महिला के भाई को इस महीने की शुरुआत में कुछ समय के लिए किडनैप किया गया था। संयुक्त राष्ट्र अधिकारियों के मुताबिक हूती विद्रोहियों ने गत गुरुवार और शुक्रवार को भी कुछ कर्मियों को अगवा किया। विद्रोही समूह संयुक्त राष्ट्र की संपत्तियां और संचार उपकरण भी अपने कब्जे में ले चुके हैं। हूती विद्रोही अब तक कम से कम 55 संयुक्त राष्ट्र कर्मचारियों को अगवा कर चुके हैं। लगातार बढ़ती इन घटनाओं और दबाव के कारण संयुक्त राष्ट्र को इस इलाके में अपनी गतिविधियों को सीमित करना पड़ा है। शीर्ष अधिकारी को सना से अदन भेज दिया गया है।

उत्तरी कैरिबियन में तूफान मेलिसा, बाढ़ का खतरा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी मौसम विशेषज्ञों ने बताया है कि उष्णकटिबंधीय तूफान मेलिसा के कारण जमैका में चक्रवात का खतरा बढ़ गया है। मौसम विभाग ने चेतावनी जारी कर कहा, उत्तर कैरेबियाई क्षेत्र में बाढ़ और भूस्खलन का खतरा भी पैदा हो गया है। मेलिसा फिलहाल 110 किमी प्रति घंटा की गति से आगे बढ़ रहा है। रविवार तक ये बड़े चक्रवात में बदल सकता है। अमेरिकी नेशनल हरीकेन सेंटर के अनुसार, सोमवार तक ये तूफान जमैका के निकट पहुंच सकता है। जमैका, हैती और डोमिनिकन गणराज्य के दक्षिणी हिस्सों में सोमवार तक 64 सेंटीमीटर तक बारिश और दक्षिण-पश्चिम हैती में 89 सेंटीमीटर तक बारिश की आशंका है। तूफान के कारण हैती में तीन और डोमिनिकन गणराज्य में अब तक एक व्यक्ति की मौत हो चुकी है। सैकड़ों घरों और बुनियादी ढांचे को भी नुकसान हुआ है। जमैका सरकार ने 650 से अधिक राहत और बचाव केंद्रों को सक्रिय कर दिया है। प्रधानमंत्री एंड्रयू होलनेस ने लोगों से मौसम विभाग की चेतावनी को गंभीरता से लेने की अपील की है। तूफान के कारण स्थानीय लोगों को चार दिनों तक भारी बारिश, बाढ़, भूस्खलन की मार झेलनी पड़ सकती है। इसके अलावा बिजली और संचार भी बाधित होने की आशंका है।

यूक्रेन में रूसी मिसाइल और ड्रोन से हमले में 4 लोगों की मौत; जेलेंस्की ने मांगी हवाई सुरक्षा

कीव, एजेंसी। रूस के मिसाइल और ड्रोन हमलों में शुक्रवार रात से शनिवार तक यूक्रेन में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई। 20 लोग घायल भी हुए हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोदिमीर जेलेंस्की ने पश्चिमी देशों से एयर डिफेंस सिस्टम प्रदान करने का अनुरोध फिर से किया। राजधानी कीव में बैलिस्टिक मिसाइल हमले में दो लोग मारे गए और 13 घायल हुए। यूक्रेन की स्टेट इमरजेंसी सर्विस ने बताया कि एक गैर-आवासीय इमारत में आग लगी और मिसाइल के अवशेषों से आसपास की इमारतों की खिड़कियां टूट गईं। मेयर विताली क्लित्स्को ने इसे राजधानी पर बैलिस्टिक हमला बताया। यूक्रेनी वायु सेना के अनुसार, रूस ने नौ मिसाइल और 62 ड्रोन दागे, जिनमें से चार मिसाइल और 50 ड्रोन को इंटरसेप्ट किया गया। वहीं, रूस ने रातभर 121 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए।

चीन के सुनहरी नाक वाले बंदरों का यूरोपीय चिड़ियाघरों में प्रीमियर

बीजिंग, एजेंसी। चीन के दुर्लभ सुनहरी नाक वाले बंदरों का अब यूरोपीय चिड़ियाघरों में प्रीमियर हुआ है। ये बंदर अपने घने बालों और हल्के नीले चेहरे के कारण जाने जाते हैं। ये बंदर अब यूरोप में पैंडा के बाद चीन के नए फर वाले दूत के रूप में चिड़ियाघरों में पहुंचे हैं। ये बंदर 10 साल की अवधि के लिए लोन पर दिए गए हैं। तीन सुनहरे बंदर अप्रैल में फ्रांस के बौवल चिड़ियाघर पहुंचे हैं। यह समझौता दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की 60वीं जयंती के उपलक्ष्य के रूप में हुआ।

खैबर पख्तूनख्वा में लड़कियों के लिए बन रहा स्कूल विस्फोट से तबाह

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के टैंक जिले के गारा बुढ़ गांव में अज्ञात हमलावरों ने शुक्रवार को लड़कियों के लिए बनाए जा रहे एक निर्माणाधीन प्राइमरी स्कूल को विस्फोट से उड़ा दिया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इस हमले से स्थानीय निवासियों में डर और आक्रोश फैल गया है।

पूर्व राष्ट्रपति रीगन के बयान पर बवाल, भड़के ट्रंप ने कनाडा पर ठोका अतिरिक्त टैरिफ

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका और कनाडा के बीच ट्रेड वॉर तेज होता हुआ नजर आ रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने शनिवार को ओंटावा के ऊपर पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन के बयान का गलत उपयोग करने को लेकर लताड़ लगाई। ट्रंप ने कनाडा के ऊपर अपना गुस्सा जाहिर करते हुए 10 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ की घोषणा की है। ट्रंप का यह फैसला ऐसे समय में आया है, जब ट्रंप ने कुछ दिन पहले ही कनाडा के साथ व्यापारिक वार्ता समाप्त करने की घोषणा की थी। हालांकि, ट्रंप के इस फैसले के बाद कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा था कि वह वार्ता फिर से शुरू करने के लिए तैयार हैं।

सोशल मीडिया साइट ट्रुथ सोशल पर ट्रंप ने कनाडा को जमकर कड़वे घूंट पिलाए। ट्रंप ने लिखा, कनाडा को रोनाल्ड रीगन के टैरिफ पर दिए गए एक भाषण पर फर्जी एड बनाते पकड़ा गया है। इस वीडियो को लेकर रीगन फाउंडेशन की तरफ से कहा गया है कि राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन के चुनिंदा ऑडियो और वीडियो का इस्तेमाल करके एक विज्ञापन अभियान बनाया गया है। यह विज्ञापन राष्ट्रपति के रेडियो संबोधन को गलत तरीके से पेश करता है। ट्रंप ने कनाडाई सरकार को आड़े हाथों लेते हुए लिखा, रीगन के बयान का इस्तेमाल करने या उसकी कांट-छांट करने की अनुमति रीगन फाउंडेशन से नहीं ली गई है। इसके लिए फाउंडेशन अपने कानूनी विकल्प तलाश रहा है। उन्होंने आगे कहा, इस धोखाधड़ी का एकमात्र उद्देश्य यह था कि इसके जरिए यूएस का सर्वोच्च न्यायालय उन टैरिफों पर उनकी बचाव करेगा जिनका इस्तेमाल उन्होंने वर्षों से संयुक्त राज्य अमेरिका को नुकसान पहुँचाने के लिए किया है। गौरतलब है कि इस साल की शुरुआत में ट्रंप ने कनाडा समेत तमाम देशों के ऊपर टैरिफ लगा दिए थे। इसमें से दीक्षा के ऊपर 25 फीसदी और ऊर्जा उत्पादकों पर 10 फीसदी का टैरिफ लगा दिया था। इसके जवाब में कनाडा ने भी जवाबी टैरिफ लगाया था। स्टील और एल्युमीनियम पर टैरिफ के बाद, कनाडा ने अमेरिका से आयातित स्टील और एल्युमीनियम उत्पादों के साथ-साथ औजारों, कंप्यूटर और सर्वर, डिस्प्ले मॉनिटर, खेल उपकरण और कच्चे लोहे के उत्पादों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया था।

क्या है पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति का भाषण : कनाडा की तरफ से अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन के एक भाषण के कुछ अंशों का उपयोग करके टैरिफ के खिलाफ एक विज्ञापन तैयार किया गया है। एक मिनट के इस विज्ञापन में रीगन को टैरिफ विरोधी बातें करता हुआ सुना जा सकता है। जबकि रीगन द्वारा 1987 में दिए गए इस भाषण में वह सेमीकंडक्टर्स पर व्यापार विवाद के चलते जापानी इलेक्ट्रॉनिक्स पर लगाए गए 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने को उचित ठहराया था। वर्तमान में न्यूज मैक्स और ब्लूमबर्ग द्वारा प्रसारित किए गए इस विज्ञापन में रीगन को आयात पर लगाए जा रहे टैरिफ के दीर्घकालिक दुष्परिणाम बताते हुए सुना जा सकता है। रीगन ने कहा, उच्च टैरिफ अनिवार्य रूप से विदेशी देशों द्वारा प्रतिशोध और भयंकर व्यापार युद्धों को जन्म देते हैं। फिर सबसे बुरा होता है। बाजार सिकुड़ते और ढहते हैं, व्यवसाय और उद्योग बंद हो जाते हैं, और लाखों लोग अपनी नौकरी खो देते हैं।

बेसबॉल मैच के दौरान चलाया गया विज्ञापन : यह विज्ञापन कनाडा के ओंटारियो राज्य ने बनाया था। हालांकि ट्रम्प के नाराज होने के बाद ओंटारियो के प्रीमियर ने कहा था कि वे रविवार के बाद इस विज्ञापन को वापस ले लेंगे। इसी दौरान शुक्रवार को वर्ल्ड सीरीज के पहले गेम इस विज्ञापन को चलाया गया था।

इस घटना के एक दिन बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने टैरिफ बढ़ाने को लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया और कहा- कनाडा रंगे हाथों पकड़ा गया है, जिसने रोनाल्ड रीगन के टैरिफ पर दिए गए भाषण को लेकर एक फर्जी विज्ञापन चलाया। रीगन को राष्ट्रीय सुरक्षा और अर्थव्यवस्था से जुड़े मकसद के लिए टैरिफ बहुत पसंद थे, लेकिन कनाडा ने कहा कि उन्हें पसंद नहीं थे। ट्रम्प ने आगे कहा, कनाडा को वह विज्ञापन तुरंत हटा देना चाहिए था लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। जानते हुए कि यह एक धोखाधड़ी है, कल रात इसे वर्ल्ड सीरीज के दौरान चलने दिया गया। बता दें कि वर्ल्ड सीरीज अमेरिका और कनाडा में खेले जाने वाले बेसबॉल खेल की सालाना चैंपियनशिप सीरीज है। ट्रम्प के ऐलान के बाद अभी यह साफ नहीं कि वे इस एक्स्ट्रा टैरिफ को लगाने के लिए किस कानूनी अधिकार का इस्तेमाल करेंगे। व्हाइट हाउस ने इस बात की भी जानकारी नहीं दी है कि यह 10% एक्स्ट्रा टैरिफ किस तारीख से लागू होगा।

भारत पूरी तरह रूसी तेल की खरीद रोकेगा, डोनाल्ड ट्रंप ने फिर दोहराया दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया है कि भारत रूस से तेल की खरीद पूरी तरह बंद करने जा रहा है, जबकि भारत ने दोहराया है कि उसकी ऊर्जा नीति राष्ट्रीय हितों पर आधारित है, न कि किसी बाहरी दबाव पर। शनिवार को एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने कहा आपने देखा होगा, चीन ने रूसी तेल की खरीद में काफी कमी की है और भारत पूरी तरह से इसे रोक रहा है। हमने रूस पर नए प्रतिबंध लगाए हैं।

यह बयान उस समय आया है जब ट्रंप दक्षिण कोरिया में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मिलने वाले हैं। दोनों देशों के बीच व्यापार, तकनीक और संसाधनों की पहुंच को लेकर तनाव लगातार बढ़ रहा है।

रूस से चीन के तेल सौदों को लेकर भी चर्चा : ट्रंप ने कहा कि वे रूस से चीन के तेल सौदों को लेकर भी चर्चा कर सकते हैं और उम्मीद जताई कि यह वार्ता पूरी तरह सौदा तय कर सकती है। इससे पहले भी ट्रंप कई बार इसी तरह का दावा कर चुके हैं। उन्होंने कहा था कि भारत ने उन्हें आश्वासन दिया है कि वह वर्ष के अंत तक रूसी तेल की खरीद बंद कर देगा। ट्रंप ने कहा था कि भारत ने मुझे बताया है कि वे धीरे-धीरे इस प्रक्रिया को समाप्त कर रहे हैं। आप रातोंरात तेल खरीद बंद नहीं कर सकते। लेकिन साल के अंत तक यह लगभग शून्य के बराबर रह जाएगी।

भारत की ऊर्जा नीति पूरी तरह स्वतंत्र : हालांकि, भारत ने इस पर कड़ा रुख अपनाया है। विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि भारत की ऊर्जा नीति पूरी तरह स्वतंत्र है और इसका उद्देश्य सस्ती कीमतों पर स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित करना है। मंत्रालय की ओर से कहा गया कि भारत के ऊर्जा निर्णय उसके राष्ट्रीय हितों से प्रेरित हैं, न कि किसी बाहरी राजनीतिक दबाव से। भारत रूस से कच्चे तेल की खरीद इसलिए कर रहा है ताकि घरेलू कीमतों को नियंत्रण में रखा जा सके और ऊर्जा आपूर्ति में स्थिरता बनी रहे।

पाकिस्तान में बड़ा आतंकी हमला नाकाम, सुरक्षा बलों ने खैबर पख्तूनख्वा में तीन आतंकियों को किया ढेर

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के उत्तर वजीरिस्तान जिले में एक बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम कर दिया। सेना के मीडिया विंग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने बताया कि इस दौरान सुरक्षा बलों ने तीन आतंकियों को ढेर कर दिया और आत्मघाती हमले की तैयारी में लगे वाहन को भी नष्ट कर दिया। आईएसपीआर द्वारा जारी बयान के मुताबिक, यह इंटेलिजेंस बेस्ड ऑपरेशन जिले के झल्लर इलाके में चलाया गया था। सेना को खुफिया जानकारी मिली थी कि 'फितना अल-खवारिज' संगठन के आतंकी (जो प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान - टीटीपी से जुड़े हैं) एक बड़े आत्मघाती हमले की साजिश रच रहे हैं। बयान में कहा गया कि सुरक्षा बलों ने समय रहते कार्रवाई करते हुए उन आतंकियों को निशाना बनाया और विस्फोटक से भरे वाहन को उड़ाकर एक संभावित विनाशकारी हमले को टाल दिया। आईएसपीआर ने यह भी बताया कि क्षेत्र में अब भी क्लीन-अप और सर्च ऑपरेशन जारी है ताकि किसी भी अन्य छिपे आतंकी को पकड़ा जा सके। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी सेना के बयान में कहा कि 'अज्म-ए-इस्तेहकाम' अभियान के तहत सुरक्षा बल और कानून प्रवर्तन एजेंसियां पाकिस्तान से विदेशी समर्थित आतंकवाद के खात्मे तक कार्रवाई जारी रखेंगी। हमारे जवानों के बलिदान से हमारा संकल्प और मजबूत हुआ है। हाल के महीनों में पाकिस्तान में आतंकवादी हमलों में तेजी आई है, खासकर खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में। अधिकतर हमले पुलिस, सुरक्षा बलों और सरकारी ठिकानों को निशाना बना रहे हैं। 2022 में ज़ज़्बक द्वारा सरकार के साथ युद्धविराम समझौता तोड़ने के बाद से हमलों में भारी वृद्धि देखी गई है। हाल ही में खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहैल अफरीदी ने दावा किया था कि प्रांत में आतंकवाद की पुनर्वापसी केंद्र सरकार की गलत नीतियों का नतीजा है। हालांकि, सत्ता में रही पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी सैन्य अभियानों का विरोध करती रही है, क्योंकि इनसे जन विस्थापन और नागरिकों की परेशानी बढ़ जाती है।

कमला हैरिस अमेरिकी राष्ट्रपति का चुनाव फिर लड़ सकती हैं, कहा- अभी मेरी राजनीति खत्म नहीं हुई

वाशिंगटन, एजेंसी। पूर्व अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने फिर से राष्ट्रपति का चुनाव लड़ सकती हैं। बीबीसी को दिए एक इंटरव्यू में कमला ने कहा कि वे खुद को एक दिन राष्ट्रपति बनने की संभावना के रूप में देखती हैं। हैरिस ने कहा, मैं खत्म नहीं हुई हूं। उन्होंने कहा- मैंने पूरी जिंदगी लोगों की सेवा की है। यह मेरे रग-रग में है। मुझे यकीन है कि अमेरिका एक दिन एक महिला राष्ट्रपति को चुनेगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह महिला राष्ट्रपति कमला हो सकती हैं, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, शायद। कमला हैरिस ने उन सर्वेक्षणों को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्हें बहुत पीछे रखा गया है। उन्होंने कहा, अगर मैं जनमत सर्वेक्षणों को सुनती, तो मैं अपने पहले कार्यालय या अपने दूसरे कार्यालय के लिए नहीं दौड़ती, और मैं निश्चित रूप से यहां नहीं बैठी होती।

चुनाव लड़ने की संभावना से इनकार : कमला हैरिस व्हाइट हाउस के लिए एक और चुनाव लड़ने की संभावना से इनकार नहीं कर रही हैं। शनिवार को बीबीसी को दिए एक साक्षात्कार में हैरिस ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में अमेरिका में एक महिला राष्ट्रपति बनेगी, और यह संभवतः वह हो सकती हैं।

2028 में चुनाव लड़ने पर क्या बोलीं : बीबीसी के साथ बातचीत में कमला हैरिस ने कहा कि मैं अभी खत्म नहीं हुई हूं। हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट किया कि उन्होंने अभी तक 2028 में चुनाव लड़ने का अंतिम फैसला नहीं किया है, लेकिन उन्होंने इस संभावना को खारिज भी नहीं किया। उन्होंने कहा, मैंने अपना पूरा करियर सेवाभाव से जिया है और यह मेरे अंदर बसा है। और सेवा करने के कई तरीके हैं।

उन्होंने कहा, मैंने कभी जनमत सर्वेक्षणों पर ध्यान नहीं दिया।

डोनाल्ड ट्रंप से हार का किया सामना : सितंबर में अपनी पुस्तक 107 डेज के विमोचन के बाद उन्होंने हाल ही में कई इंटरव्यू दिए हैं। इस किताब में उन्होंने उस दौर का जिक्र किया है, जब उन्होंने जो बाइडन के चुनाव से हटने के बाद 2024 में डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार के रूप में उनकी जगह ली थी। हालांकि उस चुनाव में उन्हें रिपब्लिकन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से हार का सामना करना पड़ा था। पिछले हफ्ते एसोसिएटेड प्रेस को दिए एक साक्षात्कार में 60 वर्षीय हैरिस ने यह भी स्पष्ट किया कि 2028 में फिर से चुनाव लड़ने पर अभी भी विचार चल रहा है। उन्होंने कहा कि वह खुद को पार्टी के एक नेता के रूप में देखती हैं, जिसमें ट्रम्प के खिलाफ लड़ाई और 2026 के मध्यावधि चुनावों की तैयारी भी शामिल है। वहीं 2028 के राष्ट्रपति चुनाव के लिए डेमोक्रेट्स के बीच राजनीतिक होड़ सामान्य से भी पहले शुरू होती दिख रही है। कई संभावित उम्मीदवार पहले से ही प्रमुख राज्यों के मतदाताओं को जानने के लिए कदम उठा रहे हैं, जिनमें कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम, केंटकी के गवर्नर एंडी बेशर और कैलिफोर्निया के प्रतिनिधि रो खन्ना शामिल हैं।

गाजा में इस्राइल का हवाई हमला, इस्लामिक जिहाद सदस्य को बनाया निशाना; अस्पताल में चार घायल लोग भर्ती

गाजा, एजेंसी। गाजा पट्टी में इस्राइल ने नुसेरात इलाके में हवाई हमला किया, जिसमें इस्लामिक जिहाद संगठन के एक सदस्य को निशाना बनाया गया। यह हमला उस समय हुआ जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता से हुआ संघर्षविराम अब भी प्रभावी था। इस्राइली सेना ने अपने बयान में कहा कि उसने यह कार्रवाई एक सटीक और योजनाबद्ध स्ट्राइक के तहत की। सेना ने बयान में कहा कुछ देर पहले आईडीएफ (इस्राइली डिफेंस फोर्स) ने नुसेरात इलाके में एक इस्लामिक जिहाद आतंकवादी को निशाना बनाया, जो हमारे सैनिकों पर आसन्न हमला करने की योजना बना रहा था। चार लोग घायल, अस्पताल ने दी जानकारी हमास-शासित क्षेत्र में स्थित अल-अवदा अस्पताल ने बताया कि नुसेरात कैंप में हुए हमले के बाद चार घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल प्रशासन ने बयान जारी कर कहा अल-अहली क्लब क्षेत्र में एक नागरिक कार को निशाना बनाए जाने के बाद चार लोग घायल हुए हैं। दो सप्ताह से लागू है संघर्षविराम पिछले दो हफ्तों से हमास और इस्राइल के बीच संघर्षविराम लागू है। हालांकि, इस्राइल ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि वह किसी भी हमले की स्थिति में अपने सैनिकों की सुरक्षा के लिए जवाबी कार्रवाई करने का अधिकार रखता है। इस हमले के बाद एक बार फिर से यह चिंता बढ़ गई है कि कहीं संघर्षविराम टूट न जाए और गाजा में हालात फिर से बिगड़ न जाएं। इस्राइल की चेतावनीः खतरे खत्म होने तक कार्रवाई जारी रहेगी इस्राइली सेना ने कहा है कि वह गाजा में तब तक अभियान जारी रखेगी जब तक उसके सैनिकों के खिलाफ कोई तत्काल खतरा मौजूद है। इस्राइली सेना ने दोहराया कि हम गाजा में सभी खतरों को समाप्त करने और अपने नागरिकों की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। लगातार तनाव और अस्थिरता गाजा पट्टी लंबे समय से इस्राइल और हमास के बीच संघर्ष का केंद्र बनी हुई है। इस्लामिक जिहाद जैसे उग्रवादी संगठन अक्सर सीमा पर रॉकेट हमले और घुसपैठ की कोशिश करते हैं। इस्राइल की ओर से की जाने वाली हवाई कार्रवाईयों में अक्सर नागरिकों की हताहतें भी होती हैं।

इस्राइल-ईयू की मुखर आलोचक, चुनाव में वामपंथी निर्दलीय प्रत्याशी; कौन हैं नई राष्ट्रपति कैथरीन कोनोली?

लंदन, एजेंसी। वामपंथी विचारधारा वाली निर्दलीय उम्मीदवार कैथरीन कोनोली ने आयरलैंड चुनाव में इतिहास रच दिया है। उन्होंने आयरलैंड के राष्ट्रपति पद का चुनाव जीता है। वामपंथी स्वतंत्र उम्मीदवार कैथरीन कोनोली ने मध्य-दक्षिणपंथी पार्टी फाइन गेल की उनकी प्रतिद्वंद्वी हीथर हम्फ्रीज को भारी मतों से पीछे छोड़ दिया। शनिवार को मतगणना समाप्त होने से पहले ही हीथर ने हार स्वीकार कर ली थी। कोनोली माइकल डी. हिगिंस की जगह लेंगी, जो 2011 से राष्ट्रपति हैं और उन्होंने अधिकतम दो बार सात-वर्षीय कार्यकाल पूरा किया है। वह आयरलैंड की 10वीं राष्ट्रपति और इस पद पर आसीन होने वाली तीसरी महिला होंगी।

आयरलैंड ने अपने इतिहास की तीसरी महिला राष्ट्रपति को चुना है। कैथरीन कोनोली को सिन फेन सहित आयरलैंड की वामपंथी पार्टियों का समर्थन प्राप्त था। ऐसे में जानिए कौन हैं कैथरीन कोनोली? जिन्होंने आयरिश राष्ट्रपति चुनाव जीता है।

पूर्व वकील और 2016 से संसद सदस्य : पूर्व बैरिस्टर कैथरीन कोनोली, जो 2016 से सांसद हैं, वो गाजा में युद्ध को लेकर इस्राइल की मुखर आलोचना करती रही हैं। उन्होंने रूस द्वारा यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर आक्रमण के बाद यूरोपीय संघ के बढ़ते सैन्यीकरण के खिलाफ भी चेतावनी दी। उन्होंने सामाजिक न्याय, समानता और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर अपने बेबाक विचारों से जनता के बीच पहचान बनाई है। हालांकि आयरलैंड में सैन्य तटस्थता की परंपरा रही है, लेकिन उनके आलोचकों का कहना है कि इससे देश के सहयोगियों के अलग-थलग पड़ने का खतरा है। नई राष्ट्रपति कैथरीन कोनोली अब

वामपंथी झुकाव वाली स्वतंत्र उम्मीदवार : वामपंथी झुकाव वाली स्वतंत्र उम्मीदवार कोनोली को सिन फेन, लेबर पार्टी और सोशल डेमोक्रेट्स सहित कई वामपंथी दलों का समर्थन प्राप्त है। वहीं प्रधानमंत्री माइकल मार्टिन ने शनिवार को कोनोली को उनकी बेहद व्यापक चुनावी जीत के लिए बधाई दी और कहा कि यह स्पष्ट है कि वह आयरलैंड की अगली राष्ट्रपति होंगी।

बता दें कि मार्टिन की फियाना फेल पार्टी के उम्मीदवार जिम गेविन के चुनाव से तीन हफ्ते पहले एक पुराने वित्तीय विवाद के कारण से हटने के बाद कोनोली और हम्फ्रीज ही एकमात्र दावेदार थे। आयरलैंड की सरकार के प्रमुख मार्टिन ने व्यक्तिगत रूप से गेविन का राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में समर्थन किया था। हालांकि गेविन ने प्रचार करना बंद कर दिया था, लेकिन चुनाव से देर से हटने के कारण उनका नाम मतपत्र पर बना रहा।

ट्रम्प ने थाईलैंड-कंबोडिया शांति समझौते पर हस्ताक्षर कराए

कुआलालंपुर, एजेंसी। थाईलैंड और कंबोडिया ने रविवार को कुआलालंपुर में सैन्य संघर्ष को खत्म करने के लिए शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इसमें मध्यस्थता की। ट्रम्प ने कहा कि जिसे लोग असंभव मान रहे थे, उसे उन्होंने संभव कर दिखाया है। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच एक मंदिर विवाद को लेकर 5 दिनों तक जंग चली थी, जिसमें 48 लोगों की मौत हुई थी। इसे खत्म करने में ट्रम्प का बड़ा रोल था। इससे पहले ट्रम्प आज सुबह कुआलालंपुर एयरपोर्ट पर लैंड हुए। यहां मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने रेड कार्पेट पर उनका स्वागत किया। इस दौरान ट्रम्प ने स्थानीय कलाकारों के साथ डांस भी किया। ट्रम्प 2017 के बाद पहली बार इस सम्मेलन में शामिल होंगे। वे आज मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे।

ट्रम्प बोले- थाईलैंड और कंबोडिया एक-दूसरे को पसंद करते हैं : मुझे सबसे ज्यादा खुशी इस बात की है कि जिन दो देशों के साथ हम यह समझौता कर रहे हैं वे वास्तव में एक-दूसरे को पसंद करते हैं। मैं इस तरह की स्थिति का आदी नहीं हूं। जब मैं ऐसे समझौते करता हूं, आमतौर पर बहुत दुश्मनी होती है। ट्रम्प ने कहा कि दोनों नेताओं के बीच बेहद सम्मान था, जिससे समझौते को आसान बनाने में मदद मिली। उन्होंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के बीच दुश्मनी का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां स्थिति बहुत जटिल है।

समारोह में कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेट, थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नविराकुल, ट्रम्प और मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम शामिल हुए। इससे पहले जुलाई में दोनों देशों की सीमा पर तनाव पांच दिन के हिंसक संघर्ष में बदल गया था। इसमें दर्जनों नागरिक मारे गए और सैकड़ों हजार लोग अपने घर छोड़ने के लिए मजबूर हुए थे।

थाईलैंड और कम्बोडिया शांति समझौते पर बोले ट्रम्प : राष्ट्रपति ट्रम्प ने मलेशिया में थाईलैंड और कम्बोडिया के बीच होने वाले शांति समझौते के समारोह को संबोधित किया। यह बहुत रोमांचक है, क्योंकि हमने कुछ ऐसा किया जो कई लोग असंभव मानते थे। दो महान देश, लेकिन वे आपस में टकरा रहे थे। मैं इन दोनों साहसी नेताओं को बधाई देना चाहता हूँ जिन्होंने यह ऐतिहासिक कदम उठाया।

आसियान समिट कवर करने 3 हजार पत्रकार पहुंचे : आसियान समिट में लगभग 3 हजार मीडियाकर्मी शामिल हुए हैं। हालांकि इस समिट की सबसे अहम बैठकें बंद दरवाजों के पीछे आयोजित हो रही हैं। कुआलालंपुर में सुरक्षा कड़ी, हजारों पुलिसकर्मी तैनात कुआलालंपुर में सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी गई है। शहर में हजारों पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। आज होने वाले कार्यक्रम की तैयारी में कई सड़कों और ट्रेन स्टेशनों को बंद कर दिया गया है। ऊपर से ड्रोन और हेलीकॉप्टर लगातार उड़ते दिखाई दे रहे हैं। मलेशियाई प्रधानमंत्री ने एकता रखने की बात कही मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने आज आसियान शिखर सम्मेलन के दौरान सभी नेताओं से एकजुट रहने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि वैश्विक हालात तेजी से बदल रहे हैं, ऐसे समय में सदस्य देशों के बीच एकता और सहयोग बनाए रखना बेहद जरूरी है। मलेशियाई प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में यह भी कहा कि संगठन की ताकत उसकी लचीलापन और साझा उद्देश्य में निहित है। उन्होंने जोर देकर कहा कि आसियान को स्थिर नहीं रहना चाहिए और बदलती परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालना ही इसकी मजबूती का मूल मंत्र है।

पाचन विकारों से अक्सर रहते हैं परेशान? कहीं आपको मानसिक स्वास्थ्य की समस्या तो नहीं

पेट दर्द एक सामान्य समस्या है, ये किसी को भी हो सकती है। आमतौर पर गैस, कब्ज या अपच के कारण पेट में दर्द हो सकता है, जोकि सामान्य दवाओं और घरेलू उपचार से ठीक भी हो जाता है। पर अगर आपको लंबे समय से पेट में दर्द या पाचन में गड़बड़ी की दिक्कत बनी हुई है और सामान्य उपचार के माध्यम से ये ठीक नहीं हो रहा है तो सावधान हो जाइए, कहीं ये मेंटल हेल्थ से जुड़ी समस्याओं का संकेत तो नहीं है?

जी हां, आपने सही सुना। पाचन तंत्र में गड़बड़ी कुछ स्थितियों में मानसिक स्वास्थ्य विकारों का लक्षण हो सकती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, गैस्ट्रोएसोफेगल रिफ्लक्स रोग (जीईआरडी) और स्ट्रेस-एंग्जाइटी जैसी मानसिक समस्याओं के बीच लिंक देखा गया है। यानी कि अगर आपको लंबे समय तक जीईआरडी के लक्षण बने रहते हैं और उपचार से आराम नहीं मिल रहा है तो एक बार किसी मनोचिकित्सक से जरूर मिल लेना चाहिए।

मानसिक स्वास्थ्य को लेकर लोगों को शिक्षित और जागरूक करने के साथ सामाजिक कलंक की भावना दूर के लिए हर साल 10 अक्तूबर को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। आइए जानते हैं कि पेट की समस्याओं का मेंटल हेल्थ से क्या संबंध हो सकता है?

गट-ब्रेन हेल्थ कनेक्शन

हार्वर्ड हेल्थ की रिपोर्ट के अनुसार गट-ब्रेन हेल्थ एक दूसरे से बड़े करीब से जुड़े होते हैं। आपको अगर अक्सर पेट में दर्द वाला अनुभव होता है, उल्टी महसूस होती है? अगर इन समस्याओं में सामान्य दवाओं से आराम नहीं मिल पा रहा है तो हो सकता है ये स्ट्रेस या एंग्जाइटी के कारण हो रहा हो।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, तनाव या चिंता की स्थिति हमारे पाचन तंत्र को प्रभावित कर सकती है। हमारी आंतें मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी में सेंट्रल नर्वस सिस्टम के द्वारा नियंत्रित होती हैं, ऐसे में यदि आपको मानसिक स्वास्थ्य की समस्या है तो इसमें पाचन से संबंधित लक्षण भी दिख सकते हैं।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

हार्वर्ड के विशेषज्ञ बताते हैं, अधिक तनाव लेने वाले लोगों में अक्सर पाचन की समस्या बनी रह सकती है। मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. टोरोसियन कहते हैं, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि तनाव की स्थिति में इंफ्लामेटरी बाउल डिजीज जैसी समस्याओं का खतरा नहीं होता है, हालांकि ये पाचन के लक्षणों को जरूर गंभीर बना सकती है। स्ट्रेस और ट्रॉमा के शिकार लोगों को गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल समस्याओं के बारे में सावधानी बरतनी चाहिए।

स्ट्रेस में क्यों होती है पाचन की दिक्कत?

मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, अक्सर बनी रहने वाली चिंता-तनाव की स्थिति के कारण शरीर में कई प्रकार के हार्मोनल बदलाव होने लग जाते हैं जो गैस्ट्रिक रस के स्राव को बढ़ाती है, जिससे पेट में दर्द, सूजन, एसिडिटी और जलन होती है।

साल 2019 के एक अध्ययन में पाया गया कि जीईआरडी से पीड़ित लोगों में चिंता और अवसाद के लक्षण काफी अधिक थे, खासकर उन लोगों में जिन्होंने सीने में दर्द की भी शिकायत हो रही थी। जीईआरडी और चिंता विकार दोनों ही सीने में दर्द का कारण बन सकते हैं, ये लक्षण अक्सर हार्ट अटैक जैसे महसूस होते हैं।

स्ट्रेस को करें कंट्रोल

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, ऐसा नहीं है कि गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल समस्याएं होते ही ये समझ लें कि आपको कोई मानसिक दिक्कत हो गई है, हालांकि अगर सामान्य इलाज से आराम न मिले निश्चित ही सावधान हो जाना चाहिए।

सभी लोगों को स्ट्रेस को कंट्रोल करने के लिए प्रयास करते रहना चाहिए क्योंकि इससे सिर्फ पाचन ही नहीं, हृदय गति बढ़ने, रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल की भी दिक्कत हो सकती है। लंबे समय तक बने रहने वाली तनाव की समस्या को कई अन्य गंभीर स्वास्थ्य विकारों का भी कारण माना जाता है।

क्या डेंगू में फायदेमंद है पपीते के पत्ते का जूस प्लेटलेट काउंट बढ़ाने के लिए कर सकते हैं सेवन?

मच्छर जनित रोगों के मामले देशभर में बढ़ रहे हैं। हालिया जानकारियों के मुताबिक कर्नाटक, असम, महाराष्ट्र और राजधानी दिल्ली-एनसीआर, सभी जगह डेंगू-मलेरिया के मामलों में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। मच्छरों के काटने से होने वाली ये बीमारियां कुछ स्थितियों में जानलेवा भी हो सकती हैं। विशेषकर डेंगू और चिकनगुनिया में अगर समय पर इलाज न मिल पाए तो इससे अंगों को भी क्षति पहुंचने का जोखिम देखा जाता रहा है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, जिस तरह से डेंगू-मलेरिया के मामलों में बढ़ोतरी देखी जा रही है, सभी लोगों को इससे बचाव के लिए प्रयास करते रहना चाहिए। बच्चों और बुजुर्गों में डेंगू की स्थिति गंभीर लक्षणों का कारण बन सकती है जिसको लेकर सावधानी बरतते रहना बहुत जरूरी है।

अगर किसी को डेंगू हो जाए तो समय रहते इसकी जांच जरूर कराएं। डेंगू-मलेरिया के लक्षण लगभग एक जैसे होते हैं इसलिए जांच के माध्यम से सही निदान और समय पर उपचार प्राप्त किया जा सकता है। इसके अलावा बीमारी में किसी भी घरेलू उपाय को प्रयोग में लाने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर ले लें।

डेंगू में पपीते के पत्तों का जूस

डेंगू के सीजन में पपीते के पत्तों के जूस की काफी चर्चा रहती है। डेंगू के मरीजों में प्लेटलेट काउंट लो होने की समस्या अधिक देखी जाती है। माना जाता रहा है कि पपीते के

पत्तों का जूस प्लेटलेट काउंट बढ़ाने के लिए बहुत अच्छा हो सकता है। क्या वास्तव में पपीते के पत्ते का जूस डेंगू के मरीजों के लिए फायदेमंद है? क्या इसके सेवन से प्लेटलेट काउंट

बढ़ाया जा सकता है?

कई अध्ययन बताते हैं कि पपीते का फल और इसके पत्तों का जूस दोनों ही कई प्रकार से स्वास्थ्य लाभ दे सकते हैं, तो क्या इसे डेंगू के उपचार के रूप में प्रयोग में लाया जा सकता है?

प्लेटलेट काउंट कैसे बढ़ाएं?

डेंगू के लिए अभी तक कोई विशिष्ट इलाज नहीं है, इसके लक्षणों को नियंत्रित करने के लिए कुछ दवाएं दी जाती रही हैं। क्या पपीते के पत्ते का जूस इसमें लाभकारी है इसे समझने के लिए डॉक्टर्स की टीम ने डेंगू पीड़ितों को एक अध्ययन में शामिल किया गया। मानव अध्ययनों में पाया गया कि पपीते के पत्ते के अर्क से ब्लड प्लेटलेट का स्तर बढ़ सकता है।

अध्ययनों से क्या पता चला?

पपीते के पत्तों में प्लेटलेट काउंट बढ़ाने की भी क्षमता होती है। एक अध्ययन के अनुसार, पपीते के पत्तों का उपयोग उन क्षेत्रों में थ्रोम्बोसाइटोपेनिया के इलाज के लिए किया जाता रहा है जहां डेंगू बुखार एंडेमिक है। थ्रोम्बोसाइटोपेनिया ऐसी स्थिति है जो ब्लड प्लेटलेट काउंट कम होने का कारण बनती है। इसके कारण रक्त का थक्का नहीं बन पाता है।

प्लेटलेट्स, रक्तस्राव को रोकने और घावों को ठीक करने के लिए थक्के बनाने में मदद करते हैं। यही कारण है कि प्लेटलेट्स कम हो जाने पर डेंगू की स्थिति में रक्तस्राव का खतरा बढ़ जाता है।

डेंगू में पपीते के पत्ते का जूस पिएं या नहीं?

अब सवाल ये है कि डेंगू हो जाए तो पपीते के पत्ते का जूस पिएं या नहीं? इस बारे में डॉक्टर कहते हैं, डेंगू की स्थिति को गंभीर माना जाता है इसके जानलेवा दुष्प्रभाव भी हो सकते हैं।

इसलिए अगर आपमें लक्षण दिख रहे हैं तो किसी डॉक्टर से मिलकर जांच और समय पर इलाज कराएं। डेंगू में पपीते के पत्ते का जूस लक्षणों को कम करने में फायदेमंद हो सकता है लेकिन बिना डॉक्टरी सलाह के किसी भी अन्य सहायक उपचार से बचा जाना चाहिए।

आलस और थकान ने बजा दी है बैंड? कहीं ये क्रॉनिक फटिग सिंड्रोम तो नहीं

अक्सर ऐसा होता है कि कुछ लोगों के शरीर में बेवजह हमेशा आलस और थकान बनी रहती है। ऐसा होने के पीछे कई कारण हो सकते हैं, आमतौर पर इसके पीछे शरीर की कुछ आंतरिक बीमारी हो सकती है, लेकिन अगर आप स्वस्थ हैं और पूरी नींद भी ले रहे हैं इसके बावजूद भी शरीर में थकान बनी रहती है तो ये क्रॉनिक फटिग सिंड्रोम का संकेत हो सकता है।

इस बीमारी का सबसे बड़ा लक्षण यह है कि आपको लंबे समय से लगातार अत्यधिक थकान रहती है, जो आराम करने के बाद भी दूर नहीं होती। यह एक जटिल और दीर्घकालिक बीमारी है। यह एक ऐसी थकान है जो आपकी रोजमर्रा की गतिविधियों को बुरी तरह प्रभावित कर सकती है। इस बीमारी में न केवल शरीर में ऊर्जा की कमी महसूस होती है, बल्कि मरीज को शारीरिक या मानसिक मेहनत के बाद थकान का स्तर अचानक बहुत ज्यादा बढ़ जाता है, जिसे पोस्ट-एग्जर्शनल मैलेज कहते हैं।

क्रॉनिक फटिग सिंड्रोम से पीड़ित व्यक्ति अक्सर नींद से जागने के बाद भी तरोताजा महसूस नहीं करते, और उन्हें मांसपेशियों तथा जोड़ों में दर्द की शिकायत भी रहती है। यह सिंड्रोम उन लोगों में होने का अधिक खतरा होता है जो किसी गंभीर वायरल संक्रमण से उबर चुके होते हैं। आइए इस लेख में इसी के बारे में जानते हैं।

याददाश्त और एकाग्रता की समस्या

क्रॉनिक फटिग सिंड्रोम का एक बड़ा लक्षण है 'ब्रेन फॉग'। इसमें मरीजों की याददाश्त और ध्यान केंद्रित करने की क्षमता बहुत कम हो जाती है। उन्हें कोई भी बात याद रखने या किसी एक काम पर फोकस करने में बहुत मुश्किल आती है। इस वजह से उनका दफ्तर का काम और रोजमर्रा का जीवन बुरी तरह प्रभावित होता है। यह सिर्फ थकान नहीं है, बल्कि मानसिक क्षमता पर सीधा असर डालती है, जिससे व्यक्ति हमेशा उलझन में महसूस करता है।

वायरल जैसे दिखने वाले लक्षण

थकान के साथ-साथ, क्रॉनिक फटिग सिंड्रोम के मरीजों को अक्सर बिना किसी खास वजह के गले में दर्द महसूस होता है। उन्हें गर्दन या बगल में लिम्फ नोड्स (गांठों) में दर्द और बार-बार सिरदर्द की शिकायत भी रहती है। ये सभी लक्षण किसी आम वायरल संक्रमण की तरह लगते हैं, लेकिन ये लंबे समय तक बने रहते हैं।

इस बीमारी का कैसे पता चलता है?

क्रॉनिक फटिग सिंड्रोम का पता लगाना आसान नहीं होता, क्योंकि इसके लक्षण डिप्रेशन या थायरॉयड जैसी कई अन्य बीमारियों से मिलते-जुलते हैं। डॉक्टर इसका निदान तभी करते हैं जब व्यक्ति को छह महीने या उससे अधिक समय तक लगातार और गंभीर थकान बनी रहे, और सभी अन्य संभावित बीमारियों की जांच करके उन्हें खारिज कर दिया जाए। यह एक लंबी प्रक्रिया है, जिसके बाद ही क्रॉनिक फटिग सिंड्रोम की पुष्टि होती है।

क्या करें?

क्रॉनिक फटिग सिंड्रोम का कोई एक जादुई इलाज उपलब्ध नहीं है। इसके प्रबंधन के लिए सबसे जरूरी है जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव लाना। ऐसे मरीजों को पर्याप्त और गहरी नींद लेनी चाहिए, साथ ही तनाव कम करने के तरीके सीखने चाहिए। शारीरिक गतिविधि को भी अचानक नहीं, बल्कि धीरे-धीरे और नियंत्रित तरीके से बढ़ाना जरूरी है। इन सब के अलावा भी अगर दर्द बना रहे तो डॉक्टर से परामर्श लेना चाहिए।

विटामिन डी के लिए धूप लेने का सही तरीका क्या है?

आमतौर पर माना जाता है कि भारत में सालभर अच्छी धूप रहती है, इसलिए यहां विटामिन डी की कमी नहीं होनी चाहिए। लेकिन हकीकत इसके विपरीत है, हमारे देश में भी बहुत से लोगों में 'विटामिन डी' की कमी पाई जाती है। हमारे देश में विटामिन डी की कमी एक आम स्वास्थ्य समस्या बन चुकी है, जिसे अक्सर 'सनशाइन विटामिन' कहा जाता है।

यह कमी इसलिए होती है क्योंकि लोग धूप लेने का सही समय और वैज्ञानिक तरीका नहीं जानते। विटामिन डी हमारे शरीर के लिए बेहद महत्वपूर्ण पोषक तत्व है, जो न केवल हड्डियों और दांतों को मजबूती देता है,

बल्कि इम्यूनिटी को बढ़ाता है और मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी आवश्यक है। यह विटामिन हमारी त्वचा में मौजूद कोलेस्ट्रॉल से तब बनता है जब वह सूर्य की अल्ट्रावायलेट-बी किरणों के संपर्क में आती है।

विषेशज्ञों के मुताबिक सही तरीके से और सही समय पर अगर धूप लिया जाए तो विटामिन डी की कमी को दूर किया जा सकता है। इस बारे में जागरूकता बढ़ाना इसलिए भी जरूरी है क्योंकि सनस्क्रीन लगाकर या खिड़की के शीशे के पीछे बैठने से शरीर को पर्याप्त विटामिन डी नहीं मिल पाता। इसलिए आइए इस लेख में विटामिन डी लेने के सही तरीकों के बारे में जानते हैं।

धूप लेने का सही समय

हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार धूप से विटामिन डी पाने का सबसे अच्छा समय सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक का होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि इस दौरान सूर्य की रोशनी में यूवीबी (UVB) किरणें सबसे मजबूत होती हैं। यही किरणें आपकी त्वचा को विटामिन डी बनाने में मदद करती हैं।

लोग सोचते हैं कि सुबह की हल्की धूप बेहतर है, लेकिन वैज्ञानिक रूप से दोपहर से पहले वाली धूप ही विटामिन डी के लिए ज्यादा असरदार होती है, बशर्ते आप ज्यादा देर तक न बैठें।

तलवों में जलन का आयुर्वेदिक उपचार

प्रश्नः मेरी उम्र 18 वर्ष है। मेरे बाल झड़ने लगे हैं यही चिंता का कारण बना है। आपसे इसका आयुर्वेदिक इलाज बताने की प्रार्थना है।

- वैभवी शर्मा, सिकंदराबाद

उत्तर : बालों के झड़ने के कई कारण हो सकते हैं। रूसी रहने से, फफूंद के संक्रमण से, बालों की जड़ों को पोषण नहीं होने से, बोरिंग के पानी से , बहुत अधिक मानसिक चिंता से , रक्ताल्पता से, कुछ अंग्रेजी दवाएं जैसे क्लोरोमायसिटिन, रिफैंमाइसिन आदि के प्रयोग से बाल झड़ने लगते हैं। बालों के गिरने को आयुर्वेद में 'खालित्य 'और समय पकने को 'पालित्य 'कहते हैं।

नीम टी ट्री शैंपू के प्रयोग से रूसी से छुटकारा मिलता है । फफूंद व अन्य जीवाणुओं के संक्रमण से भी राहत मिलती है। 'एलो रोज कंडीशनर शैंपू' से बाल काले और मुलायम रहते हैं । इसके प्रयोग से अन्य कारणों से झड़ते बालों को गिरने से रोका जा सकता है। महा भृंगराज केश तैल(सुगंध रहित) या 'हेयर लस्ट हर्बल हेयर ऑयल' को थोड़ा गुनगुना करके बालों की जड़ों में नित्य मालिश करने से झड़ते बालों को रोका जा सकता है। कमजोरी से बाल टूटने की स्थिति में आमलकी रसायन व ऊंझा ताप्यादि लौह टेबलेट का सेवन तुरंत लाभ देता है । 'केश योग कैप्सूल ' का सेवन भी बालों को झड़ने से रोकता है बालों को लंबा और मुलायम बनाने के लिए नारियल का तेल, ऊंझा आमलकी तेल का प्रयोग भी किया जा सकता है। खानपान में ऋतु फल का सेवन वह हरी सब्जियों का सेवन आवश्यक रूप से करना चाहिए।

प्रश्न : मेरी उम्र 30 वर्ष है। मुझे भूख नहीं लगती। जबरदस्ती खाता हूं तो अपच हो जाती है। क्या करूं? उपाय बताएं।

- एम .मल्लिकार्जुन, वारंगल

उत्तर : पाचक अग्नि के कमजोर हो जाने को मंदाग्नि कहते हैं। मंदाग्नि के कारण खाया हुआ आहार ठीक से पचता नहीं। आहार के न पचने पर अपच हो जाता है। लंबे समय तक अपच बने रहने पर कब्ज को जन्म देता है। और यह कब्ज याने मलबद्धता नाना विकारों की जननी है।

मंदाकिनी को दूर करने के सरल योग दे रहा हूं :

* अदरक का रस आधा चम्मच नींबू का रस आधा चम्मच लेकर उसमें थोड़ा सेंधा नमक मिलाकर हर रोज भोजन के पहले सेवन करें । इससे पाचकाग्नि प्रदीप्त होकर खाए हुए अन्न को पचाती है।

* काली मिर्च 10 ग्राम, सोंठ 10 ग्राम ,पीपर 10 ग्राम और सेंधा नमक 10 ग्राम को कूट पीसकर महीन चूर्ण बना ले। फिर इसमें 400 ग्राम काली मुनक्का मिलाएं कूट पीसकर एक कांच की बरनी में भर ले। इसे 5 से 10 ग्राम की मात्रा में भोजन के पहले खाएं या चाटे इससे मंदाग्नि, कब्ज और अरुचि का नाश होता है।

* अच्छे पके नींबू लेकर करीब 400 ग्राम रस निकालें। इसमें 1 किलो शक्कर मिलाकर किसी

स टी ल की कढ़ाई में पकाएं।। ठंडा होने पर छानकर बोतल में भर लें। में इस शरबत को 10 से 20 ग्राम की मात्रा में पानी में मिलाकर सेवन करने से मंदाग्नि से छुटकारा मिलता है और अरुचि का नाश होता है।

* ऊंझा लिव लाइव सिरप या औरा लिविन्झ सिरप भोजन पूर्व 10 से 15 मिलीलीटर की मात्रा में पीने से अग्नि प्रदीप्त होती है और खाया हुआ हजम होता है।

* ऊंझा चित्रकादि वटी को भोजन पूर्व चूसने से अग्नि प्रदीप्त होती है। समय पर पाचक रसों का स्राव होता है और खाया हुआ भोजन हजम होता है।

* भोजन के बाद ऊंझा कुमारी आसव या औरा ग्रेप्सविन 15 से 20 मिलीलीटर की मात्रा में, दोगुने पानी में मिलाकर पीने से जाठराग्नि प्रदीप्त होती है और भोजन हजम होता है।

प्रश्न : मेरी उम्र 40 वर्ष है पिछले दो माह से पैर के तलवों में बहुत जलन होती हैं । पाउडर लगाने या पैर को ठंडे पानी से धोने से भी आराम नहीं मिल रहा। क्या है कोई रोग का लक्षण है? कृपा कर बताएं।

- कोदंड राम रेड्डी, निजामाबाद

उत्तर : पैर के तलवों में जलन होने के कई कारण हो सकते हैं। मधुमेह ,ऊपरी तंत्रिकाशोथ (पे री फे र ल न्यूराइटिस),मदात्ययता, जीवनीय तत्वों का अभाव, पैर में पहनने वाले जूते चप्पलों का टाइट होना, लेड विषाक्तता आदि कारण इसमें प्रमुख हैं । एक अच्छा वैद्य रोगी का पूरा परीक्षण कर विभेदक निदान के माध्यम से सही निदान करता है। प्रमेह या मधुमेहजन्य उपद्रवों का आसानी से रक्त परीक्षण से पता चल जाता है। यदि कारण मधुमेह हैं तब रक्त शर्करा का नियमन आवश्यक है। ऊंझा जांब्रोस टिकिया दो-दो , ऊंझा चंद्रप्रभा वटी दो-दो गोली के संग यदि ऊंझा व सं त कुसुमाकर रस दिया जाए तो कुछ ही दिनों में पैर की जलन शांत हो जाती है । जलन के शांत होते ही नित्य व्यायाम की आदत डालें। हर रोज टहले। सक्रिय जीवन शैली ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होने देगी।

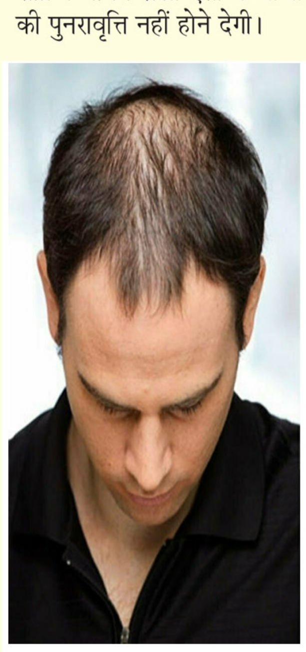

सूर्य को अर्घ्य देते समय कौन-सा रंग पहनना है शुभ ?

महापर्व छठ पूजा की शुरूआत हो चुकी है। छठ पूजा छठी मैया और भगवान सूर्य की पूजा का अनूठा त्योहार है। इस त्योहार में प्रकृति और आस्था का संगम देखने को मिलता है। इस पर्व में महिलाओं और पुरुषों द्वारा संतान के जीवन की सुख-समृद्धि की कामना करते हुए निर्जला व्रत रखा जाता है। इस व्रत के पारण के समय सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। उज्जैन के आचार्य आनंद भारद्वाज के अनुसार अर्घ्य देते समय अगर राशि अनुसार शुभ रंग पहना जाए तो विशेषफल की प्राप्ति होती है।

वैदिक पंचांग के अनुसार, इस साल छठ पूजा की शुरुआत 25 अक्टूबर से हो चुकी है। ये त्योहार 28 अक्टूबर तक चलेगा। 25 अक्टूबर को ये पर्व नहाय-खाय के साथ शुरू हो गया था। दूसरे दिन 26 अक्टूबर को खरना हुआ, फिर तीसरे दिन 27 अक्टूबर को अस्ताचलगामी यानी डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। छठ पूजा के आखिरी दिन 28 अक्टूबर को उदयागामी सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। इसी के साथ ये पर्व समाप्त हो जाएगा।

सूर्य को अर्घ्य देते समय राशि अनुसार पहनें कपड़े

मेष – इस राशि वाले जातक को सूर्य देव की पूजा के समय लाल चुनरी या नारंगी साड़ी धारण करना शुभ रहेगा।

वृषभ – छठ मैया की पूजा के पारण के समय सूर्य को अर्घ्य देते समय अगर सफ़ेद रंग के वस्त्र धारण करके पूजा की जाए तो सूर्य की तरह भाग्य चमकेगा।

मिथुन – इस राशि वाले जातक को भगवान सूर्य की विशेष कृपा पाने के लिए इस दिन हरे रंग के वस्त्र धारण करने चाहिए।

कर्क – छठी मैया की विशेष कृपा पाने के लिए इस दिन सिल्वर या सफ़ेद रंग के वस्त्र धारण करना बेहद शुभ रहेगा।

सिंह – सूर्य देव को अर्घ्य देते समय अगर इस राशि के जातक सुनहरा या पीला का वस्त्र पहनते हैं तो इससे कार्यों में आ रही बाधा दूर होंगी।

कन्या – इस राशि के जातक को सूर्य देव को अर्घ्य देते समय हरा रंग के वस्त्र धारण करना चाहिए। इससे छठी मैया का व्रत का फल दुगना होता है।

तुला – पूजा के पारण के समय सूर्य को अर्घ्य देते समय इस राशि के जातक को नीला या आसमानी रंग पहनना शुभ रहेगा।

वृश्चिक – इस राशि वाले जातक को सूर्य देव की पूजा के समय लाल रंग के वस्त्र धारण करे तो विशेष फल की मिलेगा।

धनु – इस राशि वाले जातक को भगवान सूर्य की विशेष कृपा पाने के लिए इस दिन पीला या नारंगी रंग पहनना शुभ रहेगा।

मकर – इस राशि के जातक अगर व्रत के पारण के समय अगर नीला या ग्रे रंग धारण करके पूजा करें तो पूजा का दुगना फल प्राप्त होगा।

कुंभ – सूर्य देव को अर्घ्य देते समय अगर इस राशि के जातक नीला या बेगनी धारण कर तो इससे सूर्य देव के साथ छठी मैया प्रसन्न होंगी।

मीन – इस राशि के जातक को सूर्य देव को अर्घ्य देते समय हल्का पीला रंग धारण करना शुभ रहेगा।

घर की इन 5 जगहों पर जलाएं दीपक

तुलसी के पौधे के पास दीपक जलाएं देवउठनी की शाम को तुलसी माता के पास 5 दीपक घी से जलाएं। तुलसी को लक्ष्मी और हरिप्रिया का स्वरूप माना गया है। जब आप तुलसी माता के पास दीप जलाते हैं, तो यह न सिर्फ घर की नकारात्मक ऊर्जा को दूर करता है, बल्कि वैवाहिक जीवन में भी प्रेम और स्थिरता लाता है। माना जाता है कि इससे भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी दोनों प्रसन्न होते हैं और घर में धन की बरकत बनी रहती है।

घर के मुख्य द्वार पर दीपक जलाएं मुख्य दरवाजे के दोनों ओर गाय के घी से दीपक जलाना बेहद शुभ माना गया है। यह दीपक घर की रक्षा कवच की तरह काम करता है। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बना रहता है और बुरी नजर या किसी नकारात्मक शक्ति का असर नहीं होता। जो लोग अपने व्यापार या नौकरी में तरक्की चाहते हैं, उन्हें यह उपाय जरूर करना चाहिए।

पीपल के पेड़ के नीचे दीपक शाम के समय पीपल के पेड़ के नीचे दीपक जलाकर उसकी सात परिक्रमा करें। यह उपाय खासकर उन लोगों के लिए फायदेमंद होता है जो कर्ज या आर्थिक परेशानियों से जूझ रहे हैं। ऐसा करने से कर्ज मुक्ति के योग बनते हैं और धन लाभ के नए रास्ते खुलते हैं। साथ ही, पीपल के पेड़ में भगवान विष्णु और ब्रह्मा का वास माना गया है, इसलिए यह दीपक शुभ फल देता है।

रसोई घर में दीपक जलाएं रसोई घर को अन्नपूर्णा देवी का स्थान माना जाता है। इसलिए देवउठनी एकादशी के दिन रसोई में दीपक जलाना बहुत शुभ होता है। कहा जाता है कि इससे घर में कभी अन्न की कमी नहीं होती। यह उपाय परिवार के लिए समृद्धि और खुशहाली लाता है। आप चाहे तो दीपक जलाने के बाद मीठा प्रसाद बनाकर देवी अन्नपूर्णा को अर्पित भी कर सकते हैं।

तुलसी विवाह जरूर करें देवउठनी एकादशी के दिन तुलसी विवाह का आयोजन भी किया जाता है। इस दिन तुलसी माता का विवाह शालिग्राम भगवान विष्णु से होता है। घर में तुलसी विवाह करने से वैवाहिक जीवन में सौहार्द बढ़ता है और परिवार में सुख-शांति बनी रहती है, अगर कोई विवाह योग्य व्यक्ति घर में है, तो उसके लिए अच्छे रिश्ते आने लगते हैं।

छठ पूजा से संतान सुख और उसके सुख-सौभाग्य में वृद्धि का मिलेगा आशीर्वाद

लोक आस्था के महापर्व का आज तीसरा दिन है। हर साल कार्तिक मास के शुक्लपक्ष की षष्ठी तिथि को इस पर्व की शुरुआत होती है। छठ पूजा षष्ठी देवी और सूर्य भगवान को समर्पित है। छठी मैया को बच्चों की रक्षा करने वाली देवी के रूप में पूजा जाता है। सनातन धर्म में छठी मैया संतान सुख देने वाली और उसके सुख-सौभाग्य में वृद्धि वहीं, अब इन जगहों से जुड़े लोग देश के विभिन्न हिस्सों में रहते हैं, जिसके कारण लोक आस्था से जुड़ा यह पर्व देश के कोने-कोने में बड़ी धूम-धाम से मनाया जाता है।

छठ पर्व के आते ही देश भर की पवित्र नदियों और जलाशयों के घाट पर छठी माता के गीत गुंजायमान होने लगते हैं। मान्यता है कि छठ पूजा के दिन विधि-

करने वाली मानी गई हैं। छठ पूजा मुख्य रूप से बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश, ओडिशा राज्यों का प्रमुख पर्व है। छठी देवी की पूजा करने पर होती है सुख-सौभाग्य की प्राप्ति

विधान से छठी देवी की पूजा करने पर सुख-सौभाग्य की प्राप्ति होती है और देवी से संतान की रक्षा का आशीर्वाद मिलता है। यहां पढ़िए छठी मैया का गुणगान करने वाली आरती।

छठी माता की आरती

जय छठी मैया ऊ जे केरवा जे फरेला खबद से, ओह पर सुगा मंडराए।
मारबो रे सुगवा धनुख से, सुगा गिरे मुरझाए।। जय ।।
ऊ जे सुगनी जे रोएली वियोग से, आदिति होई ना सहाय।
ऊ जे नारियर जे फरेला खबद से, ओह पर सुगा मंडराए ।। जय ।।
मारबो रे सुगवा धनुख से, सुगा गिरे मुरझाए।
ऊ जे सुगनी जे रोएली वियोग से, आदित होई ना सहाय ।। जय ।।
अमरुदवा जे फरेला खबद से, ओह पर सुगा मंडरराए।
मारबो रे सुगवा धनुख से, सुगा गिरे मुरझाए।। जय ।।
ऊ जे सुहनी जे रोएली वियोग से, आदित होई ना सहाय।
शरीफवा जे फरेला खबद से, ओह पर सुगा मंडराए ।। जय ।।
मारबो रे सुगवा धनुख से, सुगा गिरे मुरझाए।
ऊ जे सुगनी जे रोएली वियोग से, आदित होई ना सहाय।। जय ।।
ऊ जे सेववा जे फरेला खबद से, ओह पर सुगा मंडराए।
मारबो रे सुगवा धनुख से, सुगा गिरे मुरझाए।। जय ।।
ऊ जे सुगनी जे रोएली वियोग से, आदित होई ना सहाय।
सभे फलवा जे फरेला खबद से, ओह पर सुगा मंडराए।। जय ।।
मारबो रे सुगवा धनुख से, सुगा गिरे मुरझाए।
ऊ जे सुगनी जे रोएली वियोग से, आदित होई ना सहाय।। जय ।।

सिर्फ एक पोटली से बदल जाएगी किस्मत !

हिंदू धर्म में हर तिथि हर वार का अत्यधिक महत्व शास्त्रों में बताया गया है। उन्हीं तिथियों में से कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि बहुत महत्वपूर्ण मानी जाती है। इस दिन विशेष रूप से आंवले के पेड़ का पूजन होता है। उज्जैन के आचार्य आंनद भारद्वाज के अनुसार, अगर आंवला नवमी के दिन कुछ विशेष उपाय कर लिए जाएं तो सालभर लक्ष्मी-नारायण प्रसन्न रहते हैं।

वैदिक पंचांग के अनुसार, 30 अक्टूबर को सुबह 10 बजकर 6 मिनट पर कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि शुरू होकर 31 अक्टूबर को सुबह 10 बजकर 03 मिनट पर समाप्त होगी। इसके बाद कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि शुरू होगी। इस अनुसार उदयातिथि के अनुसार 31 अक्टूबर को आंवला नवमी मनाई जाएगी

आंवला नवमी पर जरूर करें यह उपाय

लक्ष्मी नारायण की कृपा पाने के लिए इस दिन आंवला के वृक्ष की कपूर और घी के दीपक से आरती करें और 108 बार परिक्रमा करें। इसके साथ ही आंवला के वृक्ष के नीचे ब्राह्मण, गरीब और जरूरतमंद लोगों को भोजन कराएं। साथ ही खुद भी वृक्ष के पास भोजन करें। ऐसा करने से माता लक्ष्मी की विशेष कृपा प्राप्ति होती है और परिवार के सदस्यों की उन्नति भी होती है।

अक्षय नवमी के दिन आंवले के पेड़ की पूजा करें और फिर एक पीला कपड़ा लें। उसमें 4 आंवले जो एक दिन पहले के तोड़े हुए हैं उन्हें उस कपड़े में रख लें। इसके बाद उस पोटली को तांबे या पीतल के बर्तन में रख कर अपने बेडरूम की अलमारी में रख लें। हर माह के शुक्ल पक्ष की नवमी को आंवले बदलें। ऐसा सिर्फ आपको 5 नवमी तिथियों तक करना है। इससे आपको लाभ दिखने लगेगा।

अगर पारिवारिक कलह मचा हुआ है तो, अक्षय नवमी के दिन तिल के तेल का दीया जलाकर उससे आंवले के पेड़ की पूजा करें और आरती उतारें। फिर इसके बाद उस दीपक में अपने और अपने जीवनसाथी से 5 कपूर उसार कर डाल दें और दीपक को आंवले के पेड़ के नीचे रखकर घर आ जाएं। ध्यान रहे कि इस उपाय को पति-पत्नी को साथ में करना है तभी इसका शुभ फल प्राप्त होगा और वैवाहिक जीवन में खुशहाली आएगी।

अक्षय नवमी के दिन आंवले के पौधे का दान करना बहुत उत्तम माना गया है। इसके साथ ही आप भी अपने घर की उत्तर दिशा में आंवला का वृक्ष लगाएं।

अगर उत्तर दिशा में पौधा लगाना संभव नहीं है तो पूर्व दिशा में भी लगा सकते हैं। ऐसा करने से वास्तु दोष दूर होता है और घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है, जिससे परिवार के सभी सदस्यों की समस्याएं दूर होती हैं।

करियर में सफलता दिलाता है दसवें भाव का शुक्र

शुक्र का ग्रह हमारे जीवन में प्रेम, सुंदरता, वित्तीय स्थिति और सामाजिक संबंधों का प्रतिनिधित्व करता है। जब यह ग्रह दसवें भाव में स्थित होता है, तो इसका प्रभाव हमारे करियर, समाज में प्रतिष्ठा और पेशेवर जीवन पर गहराई से दिखाई देता है। दसवां भाव जो कि कर्म भाव भी कहलाता है, यह दिखाता है कि व्यक्ति अपने काम और प्रयासों के जरिए समाज में किस तरह की पहचान बनाता है। ऐसे में शुक्र का यहां होना यह संकेत देता है कि व्यक्ति न केवल अपनी मेहनत से सफलता पा सकता है, बल्कि इसमें आकर्षण और सौंदर्य का भी योगदान होता है। इस स्थिति में व्यक्ति अक्सर दूसरों के साथ सहजता से तालमेल बैठा लेता है, जिससे उसे प्रोफेशनल जीवन में मदद मिलती है। इसमें रचनात्मकता और कला के प्रति रुचि भी बढ़ती है, जिससे नौकरी या व्यवसाय में नई संभावनाएं खुलती हैं, लेकिन सिर्फ अच्छी स्थिति ही नहीं, शुक्र दसवें भाव में होने पर कुछ नकारात्मक प्रभाव भी सामने आ सकते हैं। कभी-कभी व्यक्ति प्रतिष्ठा के पीछे बहुत अधिक महत्व देने लगता है या फिर अपने संबंधों और करियर में संतुलन बनाए रखने में कठिनाई महसूस करता है।

करियर में सफलता और प्रतिष्ठाः

शुक्र दसवें भाव में होने से व्यक्ति अपने पेशेवर जीवन में जल्दी सफलता पा सकता है। लोग उसकी क्षमताओं और सौम्यता की सराहना करते हैं, जिससे समाज में उसकी अच्छी छवि बनती है।

संपन्नता और वित्तीय स्थिरताः

यह स्थिति व्यक्ति को वित्तीय रूप से मजबूत बनाती है। व्यवसाय या नौकरी में अच्छे अवसर मिलते हैं, जिससे जीवन में आर्थिक सुरक्षा आती है।

रचनात्मकता और कला का योगदानः

इस भाव में शुक्र होने से व्यक्ति में कला, संगीत, डिजाइन या रचनात्मक क्षेत्रों में रुचि और प्रतिभा बढ़ती है। यह करियर में नई ऊंचाइयों को छूने का अवसर देता है।

संबंधों में सामंजस्यः

कार्यस्थल पर सहयोगियों और वरिष्ठों के साथ सामंजस्य बना रहता है। लोग अपने फैसले और व्यवहार में उसे समझने लगते हैं।

नकारात्मक प्रभाव

आत्मकेंद्रित व्यवहारः

कभी-कभी व्यक्ति अपनी प्रतिष्ठा और सफलता को बहुत अधिक महत्व देने लगता है। इससे वह दूसरों के प्रति संवेदनशील नहीं रह पाता।

संबंधों में दूरीः

करियर के प्रति अधिक ध्यान देने से व्यक्तिगत और सामाजिक संबंधों में दूरी आ सकती है। परिवार और मित्रों के साथ समय बिताने में कमी हो सकती है।

अति महत्वाकांक्षाः

शुक्र की यह स्थिति व्यक्ति में अति महत्वाकांक्षा और लालच पैदा कर सकती है। परिणामस्वरूप वह छोटे फैसलों में भी जल्दबाजी कर सकता है।

उपाय

संतुलित जीवन अपनाएंः

करियर और व्यक्तिगत जीवन में संतुलन बनाए रखना जरूरी है। समय प्रबंधन और प्राथमिकताओं को सही ढंग से समझना लाभकारी रहेगा।

ध्यान और योग का अभ्यासः

ध्यान और योग के माध्यम से मानसिक शांति और स्थिरता बनाए रखी जा सकती है। यह तनाव कम करने में मदद करता है।

संबंधों को महत्व देंः

परिवार और मित्रों के साथ समय बिताना, उनके सुख-दुख में शामिल होना संबंधों को मजबूत करता है और मन को शांति देता है।

सकारात्मक सोचः

अति महत्वाकांक्षा और लालच से बचने के लिए सकारात्मक सोच और अपने कर्मों पर विश्वास रखना महत्वपूर्ण है।

मैं एक्टिंग के बारे में... कैमरे पर भी दिखेंगे आर्यन?

क्या शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान एक्टिंग की दुनिया में कदम रखेंगे? इसको लेकर रजत बेदी ने एक खुलासा किया है। रजत ने आर्यन की वेब सीरीज द बैड्स ऑफ बॉलीवुड में जरज सक्सेना का किरदार निभाया है। उन्होंने बताया कि आर्यन ने एक्टिंग के बारे में उनसे क्या कहा था। रजत बेदी का खुलासा, आर्यन खान ने एक्टिंग डेब्यू को लेकर कही थी ये बात शाहरुख खान कई दशक से बॉलीवुड पर राज कर रहे हैं। पर उनके बेटे आर्यन खान ने अलग रास्ता चुना। कैमरे के पीछे। भले ही उन्होंने अपनी वेब सीरीज द बैड्स ऑफ बॉलीवुड से तहलका मचा दिया। पर फैंस को अभी भी उस पल का इंतजार है, जब वो कैमरे के सामने एक्टिंग करते हुए नजर आएंगे। अपने पापा के नक्शेकदम पर चलते हुए। अब रजत बेदी ने इसको लेकर एक खुलासा किया है। आर्यन खान ने द बैड्स ऑफ बॉलीवुड से राइटर और निर्देशक के तौर पर अपनी शुरुआत की। शो के प्रीमियर से पहले अनाउंसमेंट टीजर में आर्यन की स्क्रीन प्रेसेंस ने दिल जीत लिया था। उनकी पर्सनैलिटी और स्माइल की लोग तारीफ करते नहीं थक रहे थे। पर उन्हें पर्दे पर देखने की ख्वाहिश अभी पूरी नहीं हो पाई है। रजत ने आर्यन के साथ अपनी पहली मुलाकात को याद किया। उन्होंने बताया कि कैसे 27 साल के आर्यन की स्पष्टता और आत्मविश्वास से वो प्रभावित हुए थे।

बाद में एक्टिंग का सोचूंगा

रजत ने कहा, पहले ही दिन उन्होंने मुझसे कहा, सर, मैंने कुछ लिखा है और मैं इसे निर्देशित करने जा रहा हूं। मैंने उनसे पूछा, क्या आप निर्देशन करने जा रहे हैं? मैंने कहा, बेटा, पूरी दुनिया कैमरे के सामने तुम्हारा इंतजार कर रही है! तुम इसके पीछे क्या कर रहे हो? इस पर आर्यन ने शांति और सहजता से कहा, नहीं सर, मेरे पिता जिस मुकाम पर पहुंच गए हैं, तुलनाएं, उम्मीदें और ये सब... लेकिन शायद बाद में मैं एक्टिंग के बारे में सोचूंगा। अभी नहीं।

दीपिका ने की प्रभास की 'स्पिरिट' के टीजर की तारीफ

फिल्म का हिस्सा न होने पर जताया दुख?

प्रभास के जन्मदिन के मौके पर उनकी आगामी फिल्म 'स्पिरिट' का ऑडियो टीजर जारी किया गया। इसके जारी होते ही इसको लेकर विवाद भी शुरू हो गया। विवाद की वजह टीजर में प्रभास को इंडिया का सबसे बड़ा सुपरस्टार बताना है। अब इस ऑडियो टीजर के सामने आने के बाद दीपिका पादुकोण भी चर्चा में हैं। वजह है दीपिका के फिल्म के टीजर पर प्रतिक्रिया देना। दरअसल, दीपिका पादुकोण के नाम से एक ट्वीट सोशल मीडिया पर वायरल है।

एक्स पर दीपिका पादुकोण फैन गर्ल के नाम से एक अकाउंट से 'स्पिरिट' के निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा की एक पोस्ट को री-शेयर किया गया है। इस पोस्ट में 'स्पिरिट' के टीजर को जारी किया गया है। इसको शेयर करते हुए दीपिका के फैन पेज ने कैप्शन में लिखा है, 'मैं दुखी हूं, लेकिन वीडियो शानदार है संदीर रेड्डी। प्रभास सर को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं।' इस ट्वीट के सामने आने के बाद ऐसी चर्चाएं होने लगीं कि दीपिका ने संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म के टीजर पर प्रतिक्रिया दी है और वो इसका हिस्सा न होने पर दुखी हैं। हालांकि, ये प्रतिक्रिया दीपिका पादुकोण के फैन गर्ल नाम के अकाउंट से की गई है। ये एक फैन पेज है।

तृप्ति डिमरी ने ली फिल्म में दीपिका की जगह

संदीप रेड्डी वांगा द्वारा निर्देशित 'स्पिरिट' में प्रभास के साथ पहले दीपिका पादुकोण फिल्म का हिस्सा थीं। हालांकि, बाद में दीपिका फिल्म से अलग हो गईं। अब उनकी जगह तृप्ति डिमरी प्रमुख भूमिका में फिल्म में शामिल हुई हैं। इसके अलावा विवेक ओबेरॉय भी इस फिल्म का हिस्सा होंगे। दीपिका के फिल्म से बाहर होने का कारण उनकी आठ घंटे काम करने की मांग और फीस को बताया जा रहा है। जिसके चलते दीपिका और मेकर्स के बीच तनाव पैदा हो गया और अंत में दीपिका फिल्म का हिस्सा नहीं रहीं। इसके बाद संदीप रेड्डी वांगा ने दीपिका पर इशारों-इशारों में निशाना भी साधा था। ऐसे में अब ऑडियो टीजर सामने आने के बाद दीपिका ट्रोलर्स के भी निशाने पर हैं।

परेश रावल ने अच्छी स्क्रिप्ट के बावजूद ठुकराई अजय देवगन की फिल्म

बॉलीवुड एक्टर परेश रावल इस साल हेरा फेरी 3 के कारण सुर्खियों में छाए रहे। उन्होंने पहले इस मूवी को छोड़ दिया था और फिर जब खूब बवाल हुआ। विवाद हुआ तो इससे दोबारा जुड़ गए। अब खबर है कि वह अजय देवगन की दृश्यम 3 में भी शामिल होने वाले थे लेकिन उन्होंने इसे करने से मना कर दिया। एक इंटरव्यू में उन्होंने इसका खुलासा किया है और बताया कि उनको मजा नहीं आया। परेश रावल ने खुलासा किया है कि उन्हें दृश्यम 3 में एक अहम भूमिका निभाने के लिए अप्रोच किया गया था। लेकिन उन्होंने फिल्म में रोल करने से मना कर दिया था। एक्टर ने बताया, हां मेकर्स ने मुझसे संपर्क किया था। लेकिन मुझे नहीं लगा कि वो रोल मेरे लिए सही है। मजा नहीं आया। परेश रावल ने कहा, लेकिन स्क्रिप्ट अच्छी है। मैं वाकई इम्प्रेस हुआ। लेकिन एक अच्छी स्क्रिप्ट में भी आपको एक एसे रोल की जरूरत होती है, जिसे लेकर आप एक्साइटेड हों। वरना मजा नहीं आएगा। एक्टर ने हेरा फेरी 3 को लेकर भी काफी कुछ कहा था। वह बाबू राव का किरदार नहीं निभाना चाहते थे। लेकिन बाद में वह राजी हो गए थे। अब वह थामा में नजर आए थे। जिसमें आयुष्मान खुराना, रश्मिका मंदाना और नवाजुद्दीन सिद्दीकी अहम किरदार में थे।

गांधारी से नेटफ्लिक्स पर वापसी करेंगी तापसी

सोशल मीडिया पर पिछले कुछ दिनों से अभिनेत्री तापसी पन्नू को लेकर खबर आ रही थी कि वो भारत छोड़कर पति के साथ डेनमार्क में शिफ्ट हो गई हैं। कहा जा रहा था कि उन्होंने भारत छोड़कर अपने पति और बैडमिंटन खिलाड़ी मैथियास बोए के साथ डेनमार्क में स्थायी रूप से बसने का फैसला कर लिया है। लेकिन अब खुद तापसी ने इन खबरों पर पूरी तरह विराम लगा दिया है।

तापसी ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर साफ किया कि उनका ऐसा कोई प्लान नहीं है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा- क्या इससे कम झूठी और कम सनसनीखेज हेडलाइन नहीं मिल सकती थी? जरा रिसर्च कर लिया करो, इतनी जल्दी क्या है! तापसी ने फेक रूमर्स फैलाने वालों को आड़े हाथों लिया और फैंस को बताया कि वो मुंबई में हैं। काम के मोर्चे पर तापसी जल्द ही 'गांधारी' में दिखाई देंगी, जो एक इंटेंस रिवेंज ड्रामा है। इस फिल्म का निर्देशन देवाशीष मखीजा कर रहे हैं और इसे कनिका ढिल्लों की कथा पिक्चर्स ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज़ होगी और इसमें तापसी का अब तक का सबसे गहरा और भावनात्मक किरदार बताया जा रहा है। इससे पहले उन्हें 'खेल खेल में' में देखा गया था, जिसमें उनके साथ अक्षय कुमार, वाणी कपूर, अमी विर्क, आदित्य सील, प्रज्ञा जायसवाल और फर्दीन खान नजर आए थे।

निर्देशक अमर कौशिक ने किया खुलासा, कब शुरू होगी विक्की कौशल की महावतार की शूटिंग?

स्त्री, भेड़िया स्त्री 2 और बाला जैसी फिल्मों के निर्देशक अमर कौशिक अपनी अगली अपकमिंग फिल्म महावतार को लेकर सुर्खियों में हैं। वह यह फिल्म विक्की कौशल के साथ बना रहे हैं। हाल ही में उन्होंने इस फिल्म के बारे में बात की है। उन्होंने कहा है कि महावतार एक बड़ी जिम्मेदारी है। यह एक ऐसी कहानी है जिस पर वह काम करना चाहते थे। निर्देशक अमर कौशिक ने कहा कि महावतार की तैयारी चल रही है और टीम ड्रेस और सेट पर काम कर रही है। वह अगले साल फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे।

फिल्म बनाना बड़ी जिम्मेदारी है

अमर कौशिक ने एक इंटरव्यू में कहा, यह फिल्म मेरे करियर में मेरे लिए एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। यह ईश्वर की ओर से मिली है क्योंकि यह किरदार बचपन से मेरे साथ रहा है। हम अरुणाचल प्रदेश में परशुराम कुंड के पास रहते थे और हम वहां जाया करते थे। हमारे घर में यही रस्म थी... जब भी मैं वहां जाता था, मैं बहुत मंत्रमुग्ध हो जाता था।

अमर कौशिक की अगली फिल्म

निर्माता के रूप में फिल्म निर्माता की अगली फिल्म शक्ति शालिनी है, जो मैडॉक हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स की अपकमिंग फिल्म है। इस बैनर तले स्त्री, भेड़िया, स्त्री 2, मुंज्या और थामा जैसी फिल्में रिलीज हुई हैं। सैयारा स्टार अनीत पड्डा शक्ति शालिनी में मुख्य भूमिका निभा रही हैं।

विक्की के साथ काम करने के लिए उत्सुक हैं निर्देशक

कौशिक ने कहा मुझे नहीं पता था कि इसे कैसे बनाया जाए क्योंकि इसके लिए पैसे और वीएफएक्स की जरूरत थी। मैं यह भी सुनिश्चित करना चाहता था कि यह मेरे मन में बने विजन के अनुरूप हो। मैं विक्की के साथ काम करने के लिए बहुत उत्साहित हूं। जब भी मैं उनसे मिलता हूं, मुझे उनमें बहुत पवित्रता दिखाई देती है। वह इस किरदार को निभाने के लिए सबसे उपयुक्त अभिनेता हैं। हम इसकी शूटिंग अगले साल करेंगे, हम विक्की के आने का इंतजार कर रहे हैं। फिर, वह इसकी तैयारी करेंगे।

तेलुगु में डेब्यू करने जा रहे दिग्गज अभिनेता शिवा राजकुमार

दक्षिण भारतीय सिनेमा के दिग्गज अभिनेता शिवा राजकुमार अब एक ऐसी कहानी लेकर आ रहे हैं जो सिर्फ सिनेमा नहीं बल्कि समाज और राजनीति से सीधे तौर पर जुड़ी हुई है। कन्नड़ फिल्मों के इस सुपरस्टार ने अब अपने करियर का नया अध्याय शुरू किया है- तेलुगु सिनेमा में बतौर लीड डेब्यू। वह जल्द ही पांच बार के विधायक और जनता के नेता गुम्मादि नरसैया के जीवन पर आधारित बायोपिक में मुख्य भूमिका निभाने वाले हैं।

जनता के बीच से निकला जननेता

तेलंगाना के येल्लंदु क्षेत्र से आने वाले गुम्मादि नरसैया का नाम उस दौर में भी लोगों की जुबान पर था जब राजनीति का मतलब सेवा हुआ करता था, सत्ता नहीं। वह कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सिस्टङ्कलेनिनिस्ट) से पांच बार विधायक रहे, लेकिन सादगी और ईमानदारी की मिसाल बने रहे। साइकिल पर विधानसभा पहुंचने वाले इस नेता ने कभी लाल बत्ती की कार का मोह नहीं किया। गरीबों और आदिवासियों के हक की आवाज उठाने वाले नरसैया ने ज़मीनी स्तर पर वह काम किया जिसे आज की राजनीति शायद भूल चुकी है। यही कारण है कि उनका जीवन अब बड़े परदे पर लाया जा रहा है।

शिवा राजकुमार निभाएंगे किरदार

शिवा राजकुमार, जिन्हें दक्षिण में 'करुणाडा चक्रवर्ती' कहा जाता है, इस बायोपिक में नरसैया का किरदार निभा रहे हैं। फिल्म का निर्माण प्रवल्लिका आर्ट्स क्रिएशंस के बैनर तले हो रहा है और निर्देशन की कमान संभाली है नए निर्देशक परमेश्वर हिवराले ने। फिल्म की घोषणा एक भावनात्मक पोस्टर के साथ की गई, जिसमें शिवा राजकुमार को सफेद कुर्ता-पायजामा और लाल शॉल में दिखाया गया है। उनके साथ उनकी साइकिल पर सीपीआई (एमएल) का झंडा लहरा रहा है- एक ऐसा नजारा जो उनके राजनीतिक जीवन का प्रतीक बन गया था।

सामाजिक बदलाव की कहानी

फिल्म के पहले लुक वीडियो में डॉक्टर भीमराव आंबेडकर और महात्मा गांधी की मूर्तियों के साथ भारतीय संविधान की झलक दिखाई गई है। ये दृश्य फिल्म के मूल विचार को परिभाषित करते हैं- जनता के अधिकारों की लड़ाई और समानता का संघर्ष। निर्देशक के अनुसार, फिल्म सिर्फ एक राजनीतिक जीवन की कहानी नहीं है, बल्कि यह लोकतंत्र, संविधान और समाज के बीच के उस रिश्ते को भी उजागर करती है जो समय के साथ धुंधला पड़ गया है।

सिनेमा से परे एक आंदोलन की शुरुआत

गुम्मादि नरसैया का किरदार निभाना शिवा राजकुमार के लिए महज एक अभिनय नहीं बल्कि एक जिम्मेदारी भी है। वह खुद इस परियोजना को लोगों के संघर्ष की गाथा बता चुके हैं। दिलचस्प बात यह है कि फिल्म के ऐलान वीडियो में खुद गुम्मादि नरसैया के इंस्टाग्राम अकाउंट को टैग किया गया, जिससे यह स्पष्ट होता है कि वह भी फिल्म के विकास में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

शिवा राजकुमार की व्यस्त फिल्मी पारी

शिवा राजकुमार इन दिनों साउथ सिनेमा के सबसे व्यस्त सितारों में गिने जाते हैं। वह जल्द ही '45' में उपेंद्र और राज बी शेट्टी के साथ नज़र आने वाले हैं। इसके अलावा 'डैड' और '666 ऑपरेशन ड्रीम थिएटर' जैसी फिल्मों पर भी काम कर रहे हैं। साथ ही वह रजनीकांत की 'जेलर 2' और राम चरण की 'पेड्डी' में कैमियो करते हुए भी दिखेंगे।

सेक्टर-62 स्थित रजत विहार के सी ब्लॉक में उगते हुए सूरज को अर्घ्य देते श्रद्धालु।

महर्षिनगर में छठ पूजा करती व्रति महिलाएं।

सेक्टर-100 स्थित लोटस बुलेवर्ड सोसायटी में पाटलिपुत्र पूर्वांचल कल्चर कमेटी द्वारा छठ पर्व पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कमेटी द्वारा छठ व्रतियों को अर्घ्य देने के लिए कृत्रिम घाट का निर्माण कराया गया। छठ व्रतियों ने आज उगते सूरज को अर्घ्य देकर अपने व्रत का समापन किया। इस मौके पर डॉ विकास, निशांत, शेखर, अभिषेक झा, राजश्री, दिव्यांशु, डॉक्टर प्रियदर्शी, वंदना, आजादशत्रु, पुष्पा मिश्रा, अपूर्व, अरविंद, वर्षा, कलावती देवी, शोभा देवी, सुनीता त्रिपाठी, आनंद, विशाल रंजन सहित बड़ी संख्या में पूर्वांचल के लोगों ने छठ पूजा में हिस्सा लिया।

गौड़ सिटी में छठ पूजा की धूम

ग्रेटर नोएडा वेस्ट। गौड़ सिटी के लेक व्यू पार्क में छठ महापर्व के तीसरे दिन व्रतियों ने सूर्य देव को संध्या अर्घ्य अर्पित

किया। इस अवसर पर पूरे क्षेत्र में धार्मिक उल्लास और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला।

कार्यक्रम में लगभग 5 हजार श्रद्धालु उपस्थित रहे और इस पावन पर्व के सहभागी बने। गौड़ सिटी पूजा समिति द्वारा श्रद्धालुओं के लिए उत्कृष्ट व्यवस्थाएं की गई थीं। साफ-सफाई, सुरक्षा एवं प्रसाद वितरण की विशेष व्यवस्था की गई।

संध्या अर्घ्य के उपरांत आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भक्ति गीतों की प्रस्तुति ने वातावरण को और अधिक भक्तिमय बना दिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित स्थानीय विधायक तेजपाल नागर ने छठ पूजा समिति के दस वर्षों से किए जा रहे निरंतर प्रयासों की सराहना की और समिति के सदस्यों को शुभकामनाएं दीं।

नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. लोकेश एम द्वारा छठ महापर्व की तैयारियों का जायजा लेने के लिए क्षेत्र का भ्रमण किया गया। मुख्य कार्यपालक अधिकारी के दिशा निर्देश में जन सामान्य की सुविधा के लिए क्षेत्र में 18 स्थलों पर अस्थायी घाटों का निर्माण किया गया है ।

विधायक ने लिया छठी मैया का आशीर्वाद

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा विधायक पंकज सिंह ने सदरपुर, सेक्टर-31, सेक्टर-71, सेक्टर-116, गिझोड,

नोएडा स्टेडियम यमुना बैराज सेक्टर-94 नोएडा में आयोजित छठ पूजा में सम्मिलित होकर छठी मैया का आशीर्वाद लिया। इस पावन अवसर पर नोएडा विधायक पंकज सिंह ने वहां पर उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को छठ पूजा की शुभकामनाएँ दीं।

छठ पूजा, जिसे सूर्य षष्ठी भी कहा जाता है, एक स्नान पर्व है जिसके बाद चार दिनों तक संयम और धार्मिक शुद्धता का पालन किया जाता है। छठ पूजा चार दिनों तक चलने वाला एक कठोर और आध्यात्मिक अनुष्ठान है। लगभग सभी सभ्यताओं में 'भगवान सूर्य' की पूजा की जाती है। छठ पूजा एकमात्र ऐसा अवसर है जहां उगते सूर्य के साथ डूबते सूर्य की भी पूजा की जाती। पंकज सिंह ने छठी मैया से सभी के जीवन में सुख, शांति एवं समृद्धि की मंगलकामना की।

विधायक के साथ नोएडा जिला अध्यक्ष महेश चौहान, अमित त्यागी, डिंपल आनंद, करतार सिंह चौहान, भूपेश चौधरी, अर्पित गोयल, चमन अवाना, दीनबंधु, प्रदीप चौहान, मनीष तिवारी, रामनिवास यादव, सतेश्वर राय, रितेश मिश्रा, रणजीत तिवारी, अर्जुन प्रजापति, अविनाश, सुजीत केसरी, मोनिका श्रीवास्तव, राहुल शर्मा, विपुल शर्मा, मानसिंह चौहान, सहित सभी कार्यकर्ताओं ने छठ मैया का आशीर्वाद लिया।

30 अक्टूबर को होगी जिला सैनिक बन्धु बैठक

नोएडा (चेतना मंच)। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वासन अधिकारी गौतमबुद्धनगर ने बताया कि 30 अक्टूबर 2025 को दोपहर 12:00 बजे मुख्य विकास अधिकारी कार्यालय, ग्रेटर नोएडा (सूरजपुर) के सभागार में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला सैनिक बन्धु बैठक आयोजित की जाएगी।

उन्होंने कहा कि यह बैठक भूतपूर्व सैनिकों, वीरांगनाओं एवं आश्रितों के साथ सौहार्दपूर्ण संवाद स्थापित करने तथा उनकी समस्याओं के समाधान के लिए एक उपयोगी मंच के रूप में कार्य करेगी। इस बैठक के माध्यम से प्रशासन और पूर्व सैनिक परिवारों के बीच संवाद और समन्वय को और मजबूत बनाने का प्रयास किया जाएगा। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ने बताया कि यदि किसी भूतपूर्व सैनिक, वीरांगना या आश्रित के पास कोई सुझाव या समस्या है, तो उसे 30 अक्टूबर से पूर्व जिला सैनिक कल्याण कार्यालय में लिखित रूप में साझा किया जा सकता है, ताकि बैठक में उस पर सार्थक चर्चा की जा सके।

उन्होंने यह भी बताया कि समस्याएं या सुझाव ईमेल zsagb-up@nic.in अथवा व्हाट्सएप नम्बर 7839553234 पर भी भेजे जा सकते हैं।

जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ने सभी भूतपूर्व सैनिकों, वीरांगनाओं एवं आश्रितों से आग्रह किया है कि वे इस बैठक में सम्मिलित होकर अपने बहुमूल्य सुझाव एवं अनुभव साझा करें, जिससे जिला प्रशासन उनके कल्याण से संबंधित योजनाओं को और प्रभावी रूप से क्रियान्वित कर सके।

'घरेलू हिंसा एवं दहेज उन्मूलन' के प्रति किया जागरूक

नोएडा (चेतना मंच)। बिसरख ब्लॉक के छलेरा आंगनवाड़ी केंद्र पर मिशन शक्ति अभियान

के अंतर्गत 'घरेलू हिंसा एवं दहेज उन्मूलन' थीम पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में महिला कल्याण विभाग की हब टीम से डिस्ट्रिक्ट मिशन कोऑर्डिनेटर मीनाक्षी द्वारा प्रतिभागी महिलाओं को घरेलू हिंसा अधिनियम 2005 एवं दहेज उन्मूलन कानून से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इसके साथ ही शासन द्वारा संचालित विभागीय योजनाओं मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, स्पॉन्सरशिप योजना तथा वन स्टॉप सेंटर के बारे में भी विस्तार से अवगत कराया गया।

मीनाक्षी ने महिलाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों 1090 (महिला हेल्पलाइन), 181 (महिला सहायता हेल्पलाइन), 112 (आपातकालीन सेवा) तथा 1098 (बाल हेल्पलाइन) के उपयोग के संबंध में भी जानकारी दी।

कार्यक्रम में आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियां अभिलाषा, अंजना, पूनम सहित क्षेत्र की कई महिलाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं एवं किशोरियों में आत्मरक्षा, अधिकारों एवं सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।

'आक्यूपेशनल थिरेपी तेजी से विकसित होती विद्या'

नोएडा (चेतना मंच)। छात्रों को आक्यूपेशनल थिरेपी के क्षेत्र में हो रही आधुनिक प्रगति की जानकारी प्रदान करने के लिए और स्वास्थय सेवा में व्यावसायिक चिकित्सा के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए आज एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ हैल्थ एलाइड साइंसेस के आक्यूपेशनल थिरेपी विभाग द्वारा विश्व आक्यूपेशनल थिरेपी दिवस 2025 मनाया गया।

इस अवसर पर गोविंद वल्लभ पंत अस्पताल नई दिल्ली की पूर्व वरिष्ठ आक्यूपेशनल थिरेपीस्ट डा तरूणा माथुर ने कहा कि हमारा प्रदर्शन, सहानुभूति के साथ विज्ञान है, समग्र स्वास्थय लाभ ही लक्ष्य है। आप और हम रोगीयो को उनकी पूर्ण क्षमता के साथ जीने के लिए प्रेरित करते है। डा माथुर ने कहा कि ग्राहक केंद्रित प्रदर्शन, आक्यूपेशनल थिरेपी के क्षेत्र में बहुत महत्वपूर्ण है जो स्वास्थय की नींव, गरिमा और प्रसन्नता को बढ़ाता है। व्यावसायिक चिकित्सक स्वायत्त स्वास्थ्य पेशेवर होते हैं जो जीवन को मूल्य और अर्थ प्रदान करने वाले व्यवसायों में भागीदारी

को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न परिस्थितियों में व्यक्तियों, समूहों और समुदायों के साथ काम करते हैं।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय शारीरिक दिव्यांगजन संस्थान की आक्यूपेशनल थिरेपी विभाग की प्रमुख डा मधुचंदा मोहंती ने कहा कि आक्यूपेशनल थिरेपी क्षेत्र बहुआयामी क्षेत्र आधारित विषय है। चाहे व्यक्ति की परिस्थितियाँ कैसी भी हों, व्यावसायिक चिकित्सक का उद्देश्य व्यक्ति के दैनिक कार्यों या अन्य गतिविधियों को करने में आत्मविश्वास और स्वतंत्रता का विकास करना होता है इसलिए आपको सहानुभूतिशील होना ही चाहिए।

एमिटी विश्वविद्यालय के हैल्थ एंड एलाइड सांइसेस के डीन डॉ. बीसी दास ने कहा कि एमिटी विश्वविद्यालय मे हम छात्रों को राष्ट्र निर्माण के लिए तैयार करते है और राष्ट्र निर्माण में समग्र स्वास्थ्य बेहद महत्वपूर्ण है जो आपकी भूमिका को और भी महत्वपूर्ण बनाता है।

एमिटी फांउडेशन फॉर डेवलपमेंटल डिस्एबिलिटिस के उपाध्यक्ष डा एस के श्रीवास्तव ने स्वागत करते हुए कहा कि वर्तमान समय में आक्यूपेशनल थिरेपी ने नये आयाम विकसित किये है और रोगीयों के मध्य यह विधा तेजी से विकसित हो रही है।